www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 122 || लखनऊ
शनिवार
01 अगस्त 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक तमसा संकेत

https://epaper.tamsasanket.com
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:30
सूर्यास्तः 06:54
अधिकतमः 33°00
न्यूनतमः 28°00

पेज 07 »

विशेष समाचार | पशुधन संरक्षण, गौसंवर्धन ... » पेज 04 | सुलतानपुर के 25 स्कूलों में ... » पेज 06 | 79 साल की हुई मुमताज...

आईबी अफसर की हत्या के दोषी, कोर्ट बोला- घटना गंभीर, इसने समाज को झकझोर दिया

अंकित शर्मा हत्याकांड में ताहिर हुसैन को उम्रकैद की सजा

लोकल कोर्ट ने कहा - ताहिर हुसैन हथियारों से लैस उस भीड़ का हिस्सा थे, जो हिंदुओं के प्रति नफरत के कारण दंगा, आगजनी और लूटपाट करने के लिए इकट्ठा हुई थी। जिसने बेरहमी से और लगातार हमला करके शर्मा की हत्या कर दी।

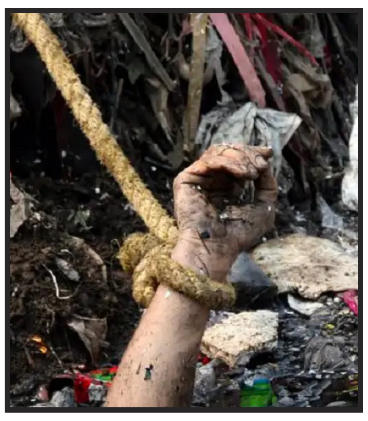

नाले में पड़ा अंकित का शव, उनके शरीर पर 51 जख्म थे।

ताहिर हुसैन को उम्रकैद

सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। 2020 के दिल्ली दंगों के दौरान IB अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या के मामले में कड़कड़डूमा कोर्ट ने शुक्रवार को पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन समेत 5 दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई। कोर्ट ने कहा कि यह बेहद गंभीर वारदात थी, जिसने समाज को झकझोर दिया। कोर्ट ने 13 जुलाई को ताहिर, नाजिम, काशिम, अनस और जावेद को हत्या, अपहरण, दंगा और सांप्रदायिक वैमनस्य फैलाने का दोषी ठहराया था। वहीं, 11 आरोपियों में से 6 को बरी कर दिया गया था। फरवरी 2025 में हुए दिल्ली विधानसभा चुनाव में ताहिर हुसैन ने मुस्तफाबाद सीट से असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी AIMIM के टिकट पर चुनाव लड़ा था। इस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार मोहन सिंह बिष्ट ने जीत दर्ज की थी, जबकि ताहिर हुसैन तीसरे नंबर पर रहे थे। उन्हें करीब 33 हजार वोट मिले थे। चुनाव प्रचार के लिए ताहिर कस्टडी पैरोल पर बाहर आए थे। कोर्ट ने कहा की अंकित को जानवरों की तरह मारा गया और मारने के बाद भी शव को नाले में फेंका गया। समाज को झकझोरने वाला मामला है। दोषियों के परिवार ने आश्रित होने की बात कहकर सजा कम करने की मांग बचाव पक्ष ने की है, लेकिन इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। अभियोजन ने ताहिर के घर को दंगों का लॉन्च पैड बताया लेकिन ये इस केस के चार्ज से जुड़ा नहीं है।

ताहिर के वकील ने कहा- रेयरेस्ट ऑफ रेयर का मामला नहीं

ताहिर हुसैन के वकील ने दलील दी थी कि हर हत्या के मामले में मौत की सजा नहीं दी जा सकती। किसी भी दोषी की अलग-अलग भूमिका साफ नहीं बताई गई। इसलिए यह मामला 'रेयरेस्ट ऑफ रेयर' की श्रेणी में नहीं आता। दिल्ली दंगा 23 फरवरी, 2020 से शुरू हुआ था। 25 फरवरी को आईबी अफसर अंकित शर्मा घर से बाहर निकले थे, लेकिन काफी देर तक वापस नहीं आए। परिवार उनकी तलाश कर रहा था, तभी लोगों ने बताया कि उनका शव चांदबाग पुलिया के पास खजूरी खास नाले में देखा गया है। अगले दिन सुबह पुलिस ने नाले से अंकित का शव बरामद किया था। इसके बाद पिता रविंदर कुमार की शिकायत दयालपुर थाने में केस दर्ज किया गया था।

सीएए के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान हुआ था दंगा

23 फरवरी 2020 को नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) विरोधी और समर्थक आमने-सामने आ गए थे। इसके बाद दोनों पक्षों की ओर से पथराव होने लगे थे। 26 फरवरी तक चले दंगों में 53 लोगों की जान गई थी। 250 से ज्यादा जख्मी हो गए थे। मरने वालों में 38 मुसलमान और 15 हिंदू थे। करीब 800 दुकानें जला दी गई थीं। 500 से ज्यादा घरों को आग के हवाले कर दिया गया था।

IB अधिकारी अंकित शर्मा हत्या केस की टाइमलाइन

2019	11 दिसंबर - नागरिकता संशोधन कानून (CAA) संसद से पास हुआ।
	दिसंबर 2019-फरवरी 2020- CAA के समर्थन और विरोध में देशभर में प्रदर्शन हुए।
2020	23 फरवरी- उत्तर-पूर्वी दिल्ली में CAA समर्थकों और विरोधियों के बीच हिंसा शुरू हुई।
	23-26 फरवरी- दिल्ली दंगों में 53 लोगों की मौत, 250 से ज्यादा घायल हुए।
	25 फरवरी- IB अधिकारी अंकित शर्मा घर से निकले और लापता हो गए।
	26 फरवरी- खजूरी खास नाले से उनका शव मिला, शरीर पर 51 चोटें थीं।
	26 फरवरी- पिता की शिकायत पर ताहिर हुसैन समेत अन्य के खिलाफ हत्या का केस दर्ज हुआ।
	5 मार्च- दिल्ली पुलिस ने ताहिर हुसैन को गिरफ्तार किया।
	3 जून- पुलिस ने हत्या समेत कई धाराओं में चार्जशीट दाखिल की।
2025	29 जनवरी- ताहिर कस्टडी पैरोल पर बाहर आए और AIMIM से मुस्तफाबाद सीट पर चुनाव लड़ा।
	8 फरवरी- चुनाव नतीजों में ताहिर तीसरे स्थान पर रहे।
2026	13 जुलाई- कोर्ट ने ताहिर समेत 5 लोगों को दोषी ठहराया, 6 आरोपी बरी हुए।
	31 जुलाई- कोर्ट ने पांचों दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई।

दिल्ली पुलिस ने कोर्ट में कहा था, 'आरोपियों ने सारी हदें पार कर दीं। अंकित की मौत होने के बाद भी उन पर हमला जारी रखा गया। यह बेहद क्रूर और सुनियोजित हत्या थी। इसलिए दोषियों को फांसी की सजा दी जाए। उनका आरोप था कि अंकित की हत्या तत्कालीन आप पार्षद ताहिर हुसैन और उनके साथियों ने की है। शिकायत के अनुसार, आरोपी ताहिर हुसैन के ऑफिस में इकट्ठा हुए थे और हत्या के बाद अंकित के शव को नाले में फेंक दिया गया।

महाराष्ट्र के भिवंडी में 4 मंजिला बिल्डिंग ढही 9 लोगो की मौत

मरम्मत का काम चलते वक्त हादसा, 4-5 लोगों के फंसे होने की आशंका

तमसा संकेत, एजेंसी

भिवंडी। महाराष्ट्र के भिवंडी में गुरुवार रात करीब 11:30 बजे एक चार मंजिला इमारत ढह गई। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई है। 4 से 5 लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। राहत और बचाव अभी भी जारी है। नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि बिल्डिंग में 48 कमरे थे। हर मंजिल पर 12 कमरे बने हुए थे। निगम ने बिल्डिंग को पहले ही खतरनाक घोषित कर दिया था, जिस समय यह हादसा हुआ, उस वक्त मरम्मत का काम चल रहा था। एक अधिकारी ने इस बिल्डिंग में रह रहे लोगों के हवाले से बताया कि गुरुवार रात करीब 9 बजे इमारत में जोरदार चटकने की आवाजें सुनी गईं। कुछ लोगों ने दरारें भी देखीं। इसके बाद स्थानीय लोगों ने परिवारों को दूसरी जगह शिफ्ट करना शुरू कर दिया, तभी इमारत का एक हिस्सा ढह गया। पर नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स (NDRF), ठाणे रिस्पॉन्स फोर्स (TDRF) और फायर ब्रिगेड की टीमों ने रेस्क्यू किया। एक महिला को अस्पताल लाया गया। रम्मत का काम शुरू किया गया था, लेकिन इसके लिए नगर निगम से अनुमति नहीं ली गई।

पहली बार ट्रांसप्लांट के लिए वंदेभारत से पहुंचाया जिंदा दिल

सूरत से अहमदाबाद तक बना ग्रीन कॉरिडोर, 250 किमी की दूरी 217 मिनट में तय की

कार्यवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

देश में पहली बार एक दिल को ट्रांसप्लांटेशन के लिए वंदेभारत एक्सप्रेस ट्रेन से सूरत से अहमदाबाद लाय गया। इस हार्ट ट्रांसप्लांटेशन के लिए पहले हॉस्पिटल से स्टेशन तक ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया। इसके बाद हार्ट को अहमदाबाद के एक कार्डियक टीचिंग अस्पताल में ट्रांसप्लांट के लिए पहुंचाया गया। रेलवे के मुताबिक शुक्रवार को हुए इस पूरे घटनाक्रम में सूरत से अहमदाबाद की 250km की दूरी तय करने में वंदेभारत ने करीब 217 मिनट का वक्त लिया।

स्टेशन से अहमदाबाद के हॉस्पिटल तक एक बार फिर ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया।

हार्ट ट्रांसप्लांटेशन से जुड़ा नॉलेज फैक्ट

दिल को निकालने के बाद उसे लगभग 4°C तापमान पर रखा जाता है। पहले उसे विशेष ठंडे सॉल्यूशन से दिल में बनी खून लाने-ले जाने वाली नलियों को धोया जाता है, जिससे खून निकल जाता है। ऐसा करने से दिल की ऑक्सीजन की जरूरत बहुत कम हो जाती

फास्ट न्यूज

2011 से अलग रह रहे उमर अब्दुल्ला-पायल का तलाक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उनकी पत्नी पायल को तलाक की मंजूरी दे दी है। उनकी शादी 32 साल पहले हुई थी। दोनों 2011 से अलग रह रहे थे। दोनों ने कोर्ट को बताया कि आपसी सहमति से अपनी शादी खत्म करने और सभी विवादों को सुलझाने का फैसला किया है।

पीएम पर टिप्पणी करने वाली लड़की पर एफआईआर का विरोध

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी ने शुक्रवार को पीएम मोदी पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाली लड़की रुचिका सिंह के खिलाफ FIR दर्ज करने का विरोध किया है। प्रवक्ता सौरव दास ने कहा कि लड़की के खिलाफ आपराधिक केस की जगह मानहानि का केस दर्ज करना चाहिए। यह कार्रवाई मशीनरी का दुरुपयोग है। इस देश में लोग चलते-फिरते गाली देते हैं। यह अपराध कैसे बन गया। यह मामला 23 जुलाई को जंतर-मंतर का है। छात्रों के प्रदर्शन के दौरान वीडियो में लड़की पीएम मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करती नजर आई थी।

यूपी में गंगा का पानी हाईवे तक पहुंचा

नई दिल्ली। यूपी में मानसून फिर से कमजोर पड़ गया है, लेकिन पहाड़ों पर हो रही भारी बारिश के कारण गंगा, घाघरा-सरयू समेत 10 नदियां उफान पर हैं। वहीं, बिजनौर में गंगा का पानी बहसूमा-ठाकुरद्वारा स्टेट हाईवे के ऊपर से बह रहा है। गुजरात में आज सभी स्कूलों और कॉलेजों की छुट्टी कर दी गई है। वहीं, उत्तराखंड में भी खराब मौसम को देखते हुए बागेश्वर और रुद्रप्रयाग में भी आज स्कूल बंद हैं।

यूपी में किसानों के बच्चों के लिए छात्रवृत्ति योजना का दायरा बढ़ेगा

मंडी परिषद की बैठक में सीएम योगी के अहम फैसले

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद की 172वीं बैठक में बड़ा फैसला लिया है. उन्होंने किसानों और खेतिहर मजदूरों के मेधावी बच्चों के लिए संचालित 'मुख्यमंत्री कृषक छात्रवृत्ति योजना' का दायरा बढ़ाने के निर्देश दिए हैं ताकि अधिक से अधिक पात्र छात्र इसका लाभ उठा सकें. इसके साथ ही, मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना सहायता योजना और खेत-खलिहान अग्निकांड दुर्घटना सहायता योजना की अवधि को 1 जुलाई 2025 से 30 जून 2030 तक बढ़ा दिया गया है. मुख्यमंत्री ने प्रदेश की मंडियों को आधुनिक सुविधाओं से लैस करने और उनके पुनरोद्धार के निर्देश दिए हैं. उन्होंने मंडी स्थलों में पेयजल, स्वच्छता और प्रकाश व्यवस्था जैसी मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने पर बल दिया. इसके अतिरिक्त, जिससे किसानों को फसल का बेहतर मूल्य मिले, मूल्य संवर्धन हो और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा हों. बैठक के दौरान सीएम योगी ने ज्यादा से ज्यादा मंडियों को ई-नाम प्लेटफॉर्म से जोड़ने, मिशन को रफ्तार देने और हर जिले में जैविक उत्पादों के प्रमाणीकरण की व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर संसद परिसर में विपक्ष का प्रदर्शन, मंत्री जितेंद्र सिंह के खिलाफ विशेषाधिकार नोटिस

लोकसभा में हंगामे के बीच जन्म-मृत्यु संशोधन बिल पास

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। विपक्षी सांसदों ने शुक्रवार को संसद परिसर में राम मंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर प्रदर्शन किया। सांसद पप्पू यादव पुजारी के वेश में दानपेटी लेकर पहुंचे। राहुल गांधी समेत विपक्षी सांसदों ने दानपेटी में चंदा डाला। साथ ही विपक्षी सांसद बैनर लेकर पहुंचे जिसमें 'अमित शाह संसद से गायब क्यों' लिखा हुआ था। इधर, लोकसभा की कार्यवाही 11 बजे शुरू हुई, लेकिन विपक्ष के हंगामे के कारण 12 बजे तक स्थगित कर दी गई।

>> (शेष पेज 06 पर)

8 बिल में से अब तक 2 बिल लोकसभा-राज्यसभा में पास

नियमों में क्या होगा बदलाव

मौजूदा प्रावधानों के तहत यदि जन्म या मृत्यु का पंजीकरण एक वर्ष से अधिक की देरी से कराया जाता है, तो इसके लिए जिला मजिस्ट्रेट (डीएम), उप-मंडल मजिस्ट्रेट (एसडीएम) अथवा किसी कार्यपालक मजिस्ट्रेट के आदेश की आवश्यकता होती है।

बिना चर्चा के ध्वनिमत से पारित हुआ विधेयक

सदन ने बिना चर्चा के ध्वनिमत से विधेयक को पारित कर दिया। विपक्षी सदस्यों ने विधेयक पर अपने संशोधन भी पेश नहीं किए। बीते 20 जुलाई को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने विधेयक को मंजूरी दी थी और इसे 29 जुलाई को सदन में पेश किया गया था। इस विधेयक का उद्देश्य जन्म और मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969 (2023 में संशोधित) की धारा 13(3) में और संशोधन करना है, ताकि विलंब से होने वाले पंजीकरण के प्रावधानों को और अधिक कड़ा बनाया जा सके।

संसद परिसर में विरोध कर पप्पू यादव की दानपेटी में राहुल गांधी ने चंदा डाला।

विपक्षी सांसद ने प्रदर्शन कर रहे पप्पू यादव के पैर छुए।

राहुल बोले- जेन-जी को डराया जा रहा

राहुल गांधी ने शुक्रवार को X पर लिखा, 'PM मोदी और अमित शाह आप Gen Z को चुप रहने के लिए धमका नहीं सकते। पहले आपने उनकी हड्डियां तोड़ीं।' उन्होंने कहा, 'अब आप FIR कर रहे हैं। उनके अकाउंट बंद कर रहे हैं। आप भारत का अतीत हैं। भारत के भविष्य के साथ कैसा व्यवहार करते हैं, इस बारे में सावधान रहें।'

प्रेस कॉन्फ्रेंस : जंतर-मंतर पर घायल पुलिसकर्मियों के परिजन बोले- प्रोटेस्ट में स्टूडेंट नहीं, गुंडे थे

'मेरे पिता घर आए तो वर्दी खून से लाल थी'

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन में घायल दिल्ली पुलिस और सुरक्षा बलों के परिजन ने शुक्रवार को 25 मिनट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। मंच पर 4 लोग मौजूद थे परिजन ने कहा, '20 तारीख के बाद नेरेटिव गढ़ा जा रहा है कि छात्रों को पुलिस ने पीटा, लेकिन प्रोटेस्ट का सच कुछ और ही है।

>> (शेष पेज 06 पर)

पुलिसवालों के परिजन के 4 आरोप

पहला आरोप

घायल एसीपी की पत्नी उपनीत कौर ने बताया- 2 साल की बेटी डर गई थी

घायल एसीपी की पत्नी उपनीत कौर ने बताया, '20 जुलाई को संसद मार्च के दिन उनके पति देर रात घायल होकर घर लौटे। उन्हें इस हालत में देखकर मेरी 2 साल की बेटी डर गई। मैंने पूछा कि क्या हुआ, तो बोले कानून-व्यवस्था संभालने की ड्यूटी कर रहा था। इसी दौरान मुझ पर हमला हुआ।' 'घटना के बाद सोशल मीडिया पर पुलिस के बारे में गलत माहौल बनाया गया। लोगों ने यह नहीं बताया कि ड्यूटी के दौरान कई पुलिसकर्मी भी घायल हुए। अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए उन्होंने मुश्किल हालात का सामना किया।'

दूसरा आरोप

घायल पुलिसवाले की बेटी गुंजन ने कहा- प्रदर्शन में असामाजिक तत्व भी थे

मेरे पिता जंतर-मंतर पर बैरिकेड के पास तैनात थे। वे अक्सर कहते थे कि यह अब सिर्फ छात्रों का प्रदर्शन नहीं रहा, इसमें असामाजिक तत्व भी शामिल हो गए हैं।

20 जुलाई को रात 10 बजे मेरे पिताजी को उनके साथी घर लेकर आए। उनकी वर्दी खून से लथपथ थी। हिंसक भीड़ ने उन्हें घसीटा और जंतर-मंतर मंच के पास पीट-पीटकर मारने की कोशिश की थी। वे करीब चार घंटे तक RML अस्पताल में बेहोश रहे, फिर भी सोशल मीडिया पर उन्हें ही क्रिमिनल बताया गया।

तीसरा आरोप

घायल ASI की पत्नी सीमा बोलीं- शरारती तत्वों ने पुलिस पर पथराव किया

20 जुलाई शाम 7 बजे पति को कॉल किया, तो वो हॉस्पिटल में इलाज करा रहे थे। भीड़ में मौजूद शरारती तत्वों ने पत्थर और हथियारों से पुलिस जवानों को घायल कर दिया था।

इसके बाद उनका फोन बंद हो गया। रात 11 बजे जब पति घर आए, तो उन्होंने बताया कि संसद की सुरक्षा के लिए लगाई गई बैरिकेडिंग को तोड़ा गया और पुलिस फोर्स पर हमला किया गया।

ड्यूटी के दौरान उन्हें मिला हेलमेट पूरी तरह टूट चुका था।

चौथा आरोप

घायल ASI के बेटे लक्ष्य सिंह बिष्ट ने कहा- प्रदर्शन में उपद्रवी भी थे

मेरे पिता ASI हैं। उन्हें बहादुरी के लिए 4 सम्मान मिल चुके हैं। मेरे दादाजी भी BSF में थे। 1971 की जंग लड़ चुके हैं। जंतर-मंतर प्रदर्शन में पिता फ्रंटलाइन पर तैनात थे। उनके साथी से पता चला कि उनके सिर में गंभीर चोट लगी है। जब उनकी तस्वीर देखी तो सिर मुंडा हुआ था और चार टांके लगे थे। मैं डर गया था। पिता ने बताया कि प्रदर्शन में सिर्फ छात्र नहीं थे, बल्कि हिंसक और उपद्रवी लोग भी शामिल थे।

सीएम शुभेंदु की रेकी कर रहा जैश का आतंकी गिरफ्तार

पुलवामा हमले के मास्टरमाइंड सज्जाद भट का करीबी

कार्यवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। बंगाल पुलिस ने पूर्वी बर्धमान जिले से जैश-ए-मोहम्मद के संदिग्ध आतंकी को गिरफ्तार किया है। स्पेशल टास्क फोर्स (STF) ने हामिम मंडल नाम के इस शख्स को गुरुवार देर रात एक हाउसिंग कॉम्प्लेक्स से पकड़ा है। पुलिस के मुताबिक मंडल के मोबाइल और घर से मिले दस्तावेजों से पता चला है कि वह मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के बारे में जानकारी जुटा रहा था। पुलिस यह भी कह रही है कि हामिम पुलवामा अटैक के मास्टरमाइंड सज्जाद भट का करीबी है। 14 फरवरी 2019 को पुलवामा अटैक में 40 CRPF जवान शहीद हो गए थे। संदिग्ध आतंकी के पकड़े जाने के बाद भाजपा प्रवक्ता देबजीत सरकार ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल दशकों से कट्टरपंथी इस्लामी समूहों के लिए सुरक्षित गलियारा रहा है।

एसटीएफ ने संदिग्ध आतंकी मंडल को बर्धमान जिले से गिरफ्तार किया।

डॉ0 शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विष्वविद्यालय का 13वाँ दीक्षान्त समारोह मा0 मंत्री श्री नरेन्द्र कष्यप की अध्यक्षता में सम्पन्न

शकुन्तला विवि को मिले विषेष दर्जाः सी सदानंदन मास्टर

समारोह

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। डॉ0 शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के 13वाँ दीक्षान्त समारोह का शुभारम्भ कुलपति श्री संजय सिंह के द्वारा प्रदेश के राज्यमंत्री दिव्यांगजन सशक्तिकरण एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण (स्वतंत्र प्रभार) मा0 श्री नरेन्द्र कश्यप की अध्यक्षता में, मुख्य अतिथि के रूप में सांसद राज्यसभा मा0 श्री सी सदानंदन मास्टर जी की उपस्थिति में किया गया। उ0प्र0 की राज्यपाल महोदया की अनुपस्थिति को उनके विशेष कार्याधिकारी श्री सुधीर एम बोबडे ने पूरा किया। दीक्षान्त समारोह में सर्वप्रथम राष्ट्रगीत छात्र/छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किया गया। इसके पश्चात विश्वविद्यालय की कुलगीत की प्रस्तुति की गयी। विश्वविद्यालय के कुलाध्यक्ष की अनुपस्थिति में उनके द्वारा मनोनीत विशेष कार्याधिकारी श्री सुधीर एम बोबडे ने राज्यपाल के सम्बोधन में कहा कि आज इन छात्र/छात्राओं को केवल उपाधि नहीं, बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारी भी मिली है। उन्होंने कहा कि उपाधि प्राप्त करने वाले सभी छात्र/छात्राएं अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग केवल व्यक्तिगत सफलता के लिए नहीं, बल्कि समाज को बेहतर बनाने के लिए करें। उन्होंने विशेष रूप से दिव्यांग विद्यार्थियों की सराहना करते हुए कहा कि उनका संघर्ष, साहस और सफलता पूरे देश के लिए प्रेरणा है। उन्होंने विद्यार्थियों से जीवन में सत्यनिष्ठा, विनम्रता और सेवा की भावना को सर्वोच्च स्थान देने का आह्वान किया।

डबल इंजन सरकार सामान्य छात्र/छात्राओं के साथ ही दिव्यांग छात्र/छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु कृतसंकल्पित

ब्रेल समाचारपत्र का प्रकाशन शुरू किया गया

मा0 मंत्री नरेन्द्र कश्यप ने दीक्षान्त समारोह में उ0प्र0 सरकार द्वारा समाज के पिछड़ा वर्ग व दिव्यांगजन हेतु कराए जा रहें कार्यों का वर्णन करते हुए बताया कि उत्तर प्रदेश देश का पहला ऐसा राज्य है जहाँ दिव्यांगजनों के लिए दो समर्पित विश्वविद्यालय संचालित हैं। डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ एवं जगद्गुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग विश्वविद्यालय, चित्रकूट। उन्होंने कहा कि सरकार के प्रयास से राज्य का पहला ब्रेल पुस्तकालय 04 जनवरी 2026 को स्वामी विवेकानंद केंद्रीय पुस्तकालय में स्थापित किया गया जिसमें 5500 के अधिक ब्रेल पुस्तकें, स्नातक एवं परास्नातक के 54 एनईपी आधारित पाठ्यक्रमों के लिए पुस्तकें उपलब्ध कराई गयी, जिसे वर्ष के अंत तक 10,000 करने का लक्ष्य है। इसके साथ ही दिव्यांग विद्यार्थियों हेतु प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए ब्रेल समाचार पत्र का प्रकाशन शुरू किया गया है।

1921 उपाधी वितरण में 466 उपाधियाँ दिव्यांगजनों को मिलना उनके सार्थक प्रयास का परिणाम, जो उनकी बौद्धिक क्षमता एवं दृढ़ इच्छाषक्ति को परिलक्षित करता हैः - मा0 मंत्री श्री नरेन्द्र कष्यप, दिव्यांगजन सषक्तिकरण एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण

दिव्यांग विद्यार्थियों की यह उपलब्धि विश्वविद्यालय में समावेशी एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रभावी प्रयासों का प्रमाण बनी। पदक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं के चेहरे खुशी से खिल उठे।

गुणवत्तापूर्ण कृत्रिम अंगों का तीव्र निर्माण संभव

राज्यमंत्री कश्यप ने बताया कि सैनिकों के मुफ्त पुनर्वास हेतु सेना के मिलिट्री हॉस्पिटल (मेरठ) के साथ 25 जून 2026 को हुए समझौते के तहत थल, जल और वायु सेना के दिव्यांग सैनिकों एवं जवानों को मुफ्त कृत्रिम अंग तथा टेलर-मेड प्रशिक्षण पाठ्यक्रम उपलब्ध कराया जायेगा। विश्वविद्यालय दिव्यांगजनों के लिए समावेशी शिक्षा, तकनीकी नवाचार, कृत्रिम अंग निर्माण, अंतरराष्ट्रीय सहयोग तथा शोध के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट कार्य कर रहा है। मंत्री जी ने बताया कि सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (सीआईपीईटी) के सहयोग से विश्वविद्यालय अब कृत्रिम पैर के पंजे सहित अन्य स्पेयर पार्ट्स का निर्माण स्वयं अपनी लैब में कर सकेगा। 18 फरवरी 2026 को थ्री-डी लैब की स्थापना की गई, जिससे गुणवत्तापूर्ण कृत्रिम अंगों का तीव्र निर्माण संभव हो सकेगा। उन्होंने बताया कि दृष्टिबाधित विद्यार्थियों की सुगम एवं आत्मनिर्भर आवाजाही के लिए 144.55 एकड़ परिसर में विशेष 'सुगंध पथ' तैयार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय पुनर्वास परिषद (आर0सी0आई0) द्वारा 'सेंटर फॉर एक्सीलेंस' घोषित किया गया है, जो हम लोगों के लिए गर्व की बात है।

फास्ट न्यूज

लखनऊ में बाबू को अफसर टाइप बंगला अलॉट

लखनऊ। लखनऊ के महानगर विस्तार स्थित पीली कॉलोनी में नगर निगम में कार्यरत बाबू को अफसर टाइप बंगला अलॉट कर दिया गया,लेकिन उसे यह पता भी नहीं। क्यों कि इसे एक खास व्यक्ति के लिए यह बंगला तैयार किया जा रहा है। करीब तीन करोड़ रुपए के इस बंगले को 20 लाख रुपए से अधिक खर्च करके मेंटेन किया जा रहा।

कांवड़ मार्ग पर एफएसडीए टीम ने मटन शॉप बंद कराई

लखनऊ। कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को सुरक्षित और गुणवत्ता-पूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (FSDA) ने राजधानी में बड़े स्तर पर अभियान चलाया। 14 जुलाई से जारी इस अभियान में कांवड़ मार्ग पर स्थित 70 से अधिक होटल, ढाबों, रेस्टोरेंट, स्वीट शॉप और अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान कृत्रिम रंग मिले अनार के दाने, सड़ा मैंगो पल्प और एक्सपायर्ड खाद्य सामग्री नष्ट कराई गई। गंभीर अनियमितताएं मिलने पर एक जूस कॉर्नर और एक मटन शॉप को भी बंद करा दिया गया।

मौलाना जरजिस के पुतले को जूते से मारा

लखनऊ। लखनऊ में शुक्रवार को इटावा के मौलाना जरजिस के खिलाफ प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने मौलाना के पुतले को जूते से मारा। आरोप लगाया कि मौलाना ने भगवान शिव और कृष्ण का अपमान किया। उसे लखनऊ बुलाया जाए। इस सरकार में भी हमारे भगवान को कोई इस तरह कहने की हिम्मत कर सकता है। भारतीय गौ सेवा संगठन के बैनर तले भगवा झंडे लिए प्रदर्शनकारी दोपहर 12:30 बजे हजरतगंज चौराहे पर पहुंचे।

राज्यपाल की अध्यक्षता में लखनऊ विश्वविद्यालय का 69वाँ दीक्षोत्सव

1.25 लाख से अधिक विद्यार्थियों को उपाधियाँ, 111 मेधावियों को 204 पदक प्रदान

दीक्षा का अर्थ सीखने की शुरुआत - डिग्री आपके हाथ में, देश की जिम्मेदारी आपके कंधों पर : मंत्री रजनी तिवारी

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं राज्य विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में शुक्रवार को लखनऊ विश्वविद्यालय का 69वाँ दीक्षोत्सव सम्पन्न हुआ। दीक्षोत्सव में कुल 1,25,285 विद्यार्थियों को उपाधियाँ प्रदान की गईं, जिनमें 57,166 छात्र तथा 68,119 छात्राएँ शामिल हैं। उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धि के लिए 111 मेधावी विद्यार्थियों को 204 पदक प्रदान किए गए, जिनमें 81 छात्राएँ और 30 छात्र शामिल रहे।

इस अवसर पर उच्च शिक्षा राज्य मंत्री श्रीमती रजनी तिवारी ने उपाधि एवं पदक प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि दीक्षा का अर्थ सीखने की शुरुआत है। आज औपचारिक शिक्षा पूरी हुई, लेकिन असली शिक्षा अब शुरू होगी। डिग्री आपके हाथ में है और देश की जिम्मेदारी आपके कंधों पर है।

उन्होंने कहा कि आज पदक लेने वालों में लगभग 75 प्रतिशत बेटियां थीं, यही बदलता हुआ भारत और प्रधानमंत्री के विकसित भारत के विजन की ओर बढ़ता कदम है। विद्या सबसे बड़ा धन है और आप उसके संवाहक बनकर निकल रहे हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय कोई साधारण विश्वविद्यालय नहीं, यह ख्याति प्राप्त विश्वविद्यालय है, इसलिए आपसे अपेक्षाएं भी अधिक हैं।

मंत्री तिवारी ने युवाओं से तकनीक के सदुपयोग और दुरुपयोग को समझने, भटकाव और प्रलोभन से बचकर लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वृद्धों, महिलाओं का सम्मान, जलवायु और मिट्टी का संवर्धन आवश्यक है। भारत आज 12वीं से चौथी अर्थव्यवस्था बन गया है और यदि युवा कौशल, नवाचार और परिश्रम पर ध्यान दें तो 2047 तक विकसित भारत का सपना साकार होगा।

एनआईए कोर्ट लखनऊ ने 4 साल कठोर कारावास की सजा सुनाई

आईएसआई हैंडलरों को सेना की जानकारी भेजने वाला दोषी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । राजधानी की विशेष एनआईए कोर्ट ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी (ISI) के हैंडलरों तक भारतीय सेना से जुड़ी संवेदन-शील और गोपनीय सूचनाएं पहुंचाने के मामले में दोषी वसीउल्लाह खान को 4 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है।

विशेष न्यायाधीश (एनआईए) एवं अपर सत्र न्यायाधीश उमाकांत जिंदल की अदालत ने भारतीय दंड संहिता की धारा 121A, 120B और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (UAPA) की धारा 13 के तहत दोषी करार देते हुए सभी सजाएं साथ-साथ चलाने का आदेश दिया। अदालत ने यह भी कहा कि आरोपी 21 नवंबर 2023 से न्यायिक हिरासत में है, इसलिए जेल में बिताई गई अवधि सजा में समायोजित की जाएगी।

न्यायालय के फैसले के अनुसार, उत्तर प्रदेश एटीएस को वर्ष 2023 में सूचना मिली थी कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI सोशल मीडिया और मैसेजिंग प्लेटफॉर्म के जरिए भारतीय नागरिकों को धन का लालच देकर भारतीय सेना की गोपनीय सूचनाएं हासिल करने का प्रयास कर रही है।

दोषी की ओर से अधिवक्ता ने अदालत को बताया कि वसीउल्लाह खान आर्थिक रूप से कमजोर है और परिवार का एकमात्र कमाने वाला सदस्य है। अधिवक्ता ने कहा कि वह भविष्य में इस तरह का कोई अपराध नहीं करेगा, इसलिए उसके साथ नरमी बरती जाए और न्यूनतम सजा दी जाए।

सूचना के आधार पर एटीएस ने जांच शुरू की। जांच के दौरान कासगंज निवासी शैलेश कुमार उर्फ शैलेन्द्र सिंह चौहान से पूछताछ की गई, जिसके मोबाइल और सोशल मीडिया अकाउंट से मिले डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर पूरे नेटवर्क की जांच आगे बढ़ी। विवेचना के दौरान वसीउल्लाह खान की भूमिका सामने आने पर उसके खिलाफ पूरक आरोपपत्र दाखिल किया गया। विशेष न्यायाधीश उमाकांत जिंदल ने अपने आदेश में कहा कि दंड की मात्रा अपराध की गंभीरता के अनुरूप होनी चाहिए। अदालत ने यह भी दर्ज किया कि दोषी ने स्वयं अपना जुर्म स्वीकार किया है।

अभियोजन ने बताया राष्ट्र की सुरक्षा से जुड़ा गंभीर अपराध

राज्य की ओर से विशेष लोक अभियोजक ने अदालत में दलील दी कि दोषी ने भारतीय सेना की संवेदनशील और प्रतिबंधित जानकारियां पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI के हैंडलरों तक पहुंचाईं। अभियोजन का कहना था कि इस तरह की गतिविधियां देश की सुरक्षा, संप्रभुता और अखंडता के लिए गंभीर खतरा हैं। इसलिए आरोपी को अधिकतम सजा दी जानी चाहिए।

प्रतिभाशाली युवाओं को मिलेगा न्याय, ऐतिहासिक उपलब्धि : उप मुख्यमंत्री

पेपर लीक की कुप्रथा से मुक्त होगा देश : केशव प्रसाद मौर्य

तमसा संकेत, संवाददाता

उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने संसद से 'वंदे मातरम् विधेयक' के पारित होने का भी स्वागत किया।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने संसद के दोनों सदनों से 'लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026' के पारित होने पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर यह एक बड़ी और ऐतिहासिक उपलब्धि है।

उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए तथा देश के युवाओं से यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा परीक्षा व्यवस्था को पारदर्शी एवं निष्पक्ष बनाने के लिए कठोर कानून लागू करने के संबंध में दिए गए आश्वासन के अनुरूप यह महत्वपूर्ण कानून संसद के दोनों सदनों से पारित हो चुका है और शीघ्र ही लागू होगा। उन्होंने कहा कि इस कानून के लागू होने से देश में पेपर लीक जैसी गंभीर समस्या पर प्रभावी अंकुश लगेगा तथा प्रतिभाशाली और मेहनती युवाओं के भविष्य के साथ होने वाले अन्याय को रोका जा सकेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि निकट भविष्य में देश पेपर लीक की कुप्रथा से मुक्त होगा और लाखों प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं विश्वसनीय परीक्षा व्यवस्था का लाभ मिलेगा।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी एवं सशक्त नेतृत्व में युवाओं के हितों की रक्षा और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए केन्द्र सरकार निरंतर प्रभावी एवं निर्णायक कदम उठा रही है। यह विधेयक युवाओं के विश्वास को मजबूत करने तथा परीक्षा प्रणाली की शुचिता एवं विश्वसनीयता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध होगा।

उन्होंने कहा कि यह विधेयक पारित होना आवश्यक था और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार के तीसरे कार्यकाल में इसे संसद से पारित किया गया है। उन्होंने इस निर्णय का स्वागत करते हुए विधेयक के पक्ष में मतदान करने वाले सभी माननीय सांसदों का अभिनंदन एवं आभार व्यक्त किया।

राजकीय शीतगृह परिसर, अलीगंज, लखनऊ के पार्क में प्रवेश शुल्क और समय सारिणी निर्धारित

लखनऊ। जिला उद्यान विकास समिति, लखनऊ द्वारा राजकीय शीतगृह परिसर, अलीगंज, लखनऊ क्षेत्र के आम जनमानस एवं प्रातः/सायंकालीन भ्रमणकर्ताओं को सूचित किया गया है कि पार्क प्रबंधन, रख-रखाव और सुविधाओं को सुदृढ़ करने हेतु प्रवेश शुल्क, मॉर्निंग वॉक पास शुल्क तथा उद्यान संचालन समय का निर्धारण किया गया है। इसके तहत दैनिक प्रवेश शुल्क आम जनमानस के लिए 5 रुपये प्रति व्यक्ति प्रतिदिन रखा गया है। मॉर्निंग वॉक पास (सामान्य) के लिए मासिक शुल्क 100 रुपये, त्रैमासिक 250 रुपये और अर्धवार्षिक 500 रुपये प्रति व्यक्ति निर्धारित है, जबकि वरिष्ठ नागरिकों के लिए रियायती पास में मासिक 50 रुपये, त्रैमासिक 100 रुपये और अर्धवार्षिक 200 रुपये का शुल्क रखा गया है। 5 वर्ष तक के बच्चों के लिए प्रवेश पूर्णतः निःशुल्क रहेगा।

राजधानी में यूथ कांग्रेस ने भाजपा नेताओं का पुतला फूंका

बोले- सांसद निशिकांत दुबे और मंत्री दिनेश माफी मांगें

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में शुक्रवार को यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री दिनेश प्रताप सिंह का पुतला फूंका। कार्यकर्ता पार्टी कार्यालय के अंदर से नारेबाजी करते हुए निकले और करीब 10 मीटर की दूरी पर ही पुतला फूंक दिया। जब तक पुलिस कर्मियों ने रोकने की कोशिश की पुतला जल चुका था। हालांकि, बाद में पुलिस ने पुतले को बुझाने की कोशिश की।

यूथ कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी किया। दिनेश प्रताप सिंह पर राहुल गांधी के अपमान का आरोप लगाया। सांसद निशिकांत दुबे पर पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का संसद में अपशब्द कहे जाने का आरोप लगाया। प्रदर्शन कर रहे कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने मांग किया कि भाजपा के दोनों ही नेता कांग्रेस से माफी मांगें। इस दौरान पुलिस और कार्यकर्ताओं से नोकझोंक और धक्का मुक्की हुई। यूथ कांग्रेस के प्रदेश सचिव श्याम प्रताप सिंह ने कहा कि निशिकांत दुबे और दिनेश प्रताप सिंह का पुतला फूंक कर अपनी नाराजगी जताई। उन्होंने बताया कि रायबरेली में एक कार्यक्रम के दौरान भाजपा नेता बुद्धि लाल पासी राहुल गांधी के बारे में अपशब्द बोल रहे थे। उस समय मंच पर दिनेश प्रताप सिंह जी मौजूद थे। उन्हीं के नेतृत्व में यह कार्यक्रम हो रहा था।

निर्देश : ग्राम चौपाल से लेकर आवास योजना तक, हर कार्य में हो त्वरित कार्रवाई : केशव प्रसाद मौर्य

'ग्राम्य विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में लाई जाए तेजी'

ग्रामीण विकास कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करें

गांव की गलियां ग्रामीणों का हाईवे, जलनिकासी व अवस्थापना सुविधाएं हों मजबूत

ग्राम्य विकास विभाग की योजनाएं तेजी से धरातल पर उतारें अधिकारी : केशव प्रसाद

तमसा संकेत, संवाददाता

भुगतान, आवास योजना व दीदियों के प्रशिक्षण पर उप मुख्यमंत्री के सख्त निर्देश

लखनऊ । उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने ग्राम्य विकास विभाग के उच्चाधिकारियो को निर्देश दिये है कि ग्राम्य विकास विभाग की सभी कार्य योजना पर ठोस, प्रभावी व त्वरित गति से कार्यवाही की जाए। योजनाओं के क्रियान्वयन मे तेजी लायी जाय। कार्य धरातल पर नजर आने चाहिए। योजनाओं को अमलीजामा पहनाने मे कोई कोर कसर बाकी न रखी जाय। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि गांव व गरीब का विकास करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। गांव मे जलनिकासी के पुख्ता प्रबन्ध किये जांय। गांवो की गलिया ग्रामीणों का हाइवे है, उन्हे व्यवस्थित व ठीक रखा जाय, गांवो मे अवस्थापना सुविधाओं का विस्तार किया जाय। श्री केशव प्रसाद मौर्य शुक्रवार को अपने कैम्प कार्यालय 7- कालिदास पर आयोजित उच्च स्तरीय बैठक मे ग्राम्य विकास विभाग के कार्यो की समीक्षा कर रहे थे। उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि ग्राम रोजगार सेवकों का मानदेय एक सप्ताह के भीतर वितरित किया जाना सुनिश्चित किया जाए। संचालित वृक्षारोपण कार्य के अंतर्गत रोपित पौधों की सुरक्षा हेतु भी आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

कार्य धरातल पर नजर आने चाहिए

उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये ग्राम्य विकास विभाग में विभिन्न जांचो के जो प्रकरण लम्बित हैं, उनको तुरंत निस्तारित किया जाय। अधिकारी जनप्रतिनिधियों की बातो को पूरी गम्भीरता से सुने, निस्तारण योग्य प्रकरणो का निस्तारण करे, जो प्रकरण उनके स्तर से निस्तारित नही हो सकते, उसके बारे मे जनप्रतिनिधियो को संतुष्ट करते हुये अवगत कराया जाए। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कार्य धरातल पर नजर आने चाहिए, राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन नये समूहो के गठन की कार्रवाई तेज करें और निष्क्रिय समूहों को तत्काल सक्रिय करने की प्रभावी कार्रवाई किया जाना सुनिश्चित किया जाय महिला सामर्थ योजना के तहत कार्यों में और तेजी लाई जाय।

39 सेवाओं को ऑटो अप्रूवल व्यवस्था के अंतर्गत किया जाएगा संचालित

आवेदकों को सेवाओं का लाभ बिना परिवहन कार्यालय आए, ऑनलाइन एवं समयबद्ध रूप से मिलेगा-दयाशंकर सिंह

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। परिवहन विभाग द्वारा वर्तमान में नागरिकों को आधार प्रमाणीकरण (Aadhaar Authentication) के माध्यम से फेसलेस मोड में कुल 52 ऑनलाइन सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इनमें से सारथी (SARATHI) पोर्टल की 27 एवं वाहन (VAHAN) पोर्टल की 12, कुल 39 सेवाओं को ऑटो अप्रूवल (Auto Approval) व्यवस्था के अंतर्गत सफलतापूर्वक संचालित (Live) किया गया है।

यह जानकारी देते हुए परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दयाशंकर सिंह ने बताया कि पात्र आवेदकों को इन सेवाओं का लाभ बिना परिवहन कार्यालय आए, ऑनलाइन एवं समयबद्ध रूप से प्राप्त हो सकेगा।

परिवहन मंत्री ने बताया कि प्रदेश के नागरिकों को अब अधिक सरल, पारदर्शी एवं त्वरित सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में परिवहन विभाग सतत प्रयास कर रहा है। उन्होंने बताया कि उक्त व्यवस्था के अंतर्गत अब पात्र आवेदकों को चयनित सेवाओं के लिए क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (RTO/ARTO) आने की आवश्यकता नहीं होगी। आधार प्रमाणीकरण के उपरांत निर्धारित मानकों के अनुरूप आवेदनों का स्वतः अनुमोदन किया जाएगा, जिससे नागरिकों को घर बैठे ही समयबद्ध एवं सुविधाजनक ढंग से सेवाएं प्राप्त हो सकेंगी।

परिवहन मंत्री ने बताया कि इस पहल से सेवाओं की उपलब्धता में तेजी आएगी। सेवाएं मानवीय हस्तक्षेप से मुक्त होंगी तथा आमजन के समय एवं संसाधनों की बचत होगी। यह व्यवस्था डिजिटल गवर्नेंस को सुदृढ़ करने तथा नागरिकों को अधिक सुगम, पारदर्शी एवं प्रभावी सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में परिवहन विभाग का एक महत्वपूर्ण कदम है।

परिवहन मंत्री ने प्रदेशवासियों से अनुरोध किया है कि वे आधार प्रमाणीकरण आधारित फेसलेस सेवाओं का अधिकाधिक लाभ उठाएं तथा घर बैठे ऑनलाइन परिवहन सेवाओं का उपयोग करें।

पुलिस ने गांजा तस्करी नेटवर्क ध्वस्त किया

75 लाख का 1.51 क्विंटल गांजा बरामद, 6 तस्कर गिरफ्तार

कार्यवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव पुलिस ने अंतर्राज्यीय गांजा तस्करी नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए करीब 75 लाख रुपये मूल्य का 1 क्विंटल 51 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। थाना बारासगवर पुलिस और सर्विलांस टीम की संयुक्त कार्रवाई में छह तस्करों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने गांजे से भरा ट्रक, एक स्विफ्ट डिजायर कार, छह मोबाइल फोन और 5,550 रुपये नकद भी जब्त किए हैं। तलाशी के दौरान ट्रक में गारनेट पाउडर की बोरियों के बीच छिपाई गई चार बोरियों और स्विफ्ट डिजायर कार से एक बोरी में कुल 1.51 क्विंटल गांजा बरामद हुआ। मौके से रायबरेली निवासी राहुल सिंह, उत्तराखंड के ऊधमसिंह नगर निवासी विशाल दास तथा उन्नाव निवासी अभिषेक यादव, राम सिंह, अरविंद यादव और विशाल को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों ने बताया कि गांजा करीब 6 हजार रुपये प्रति किलोग्राम की दर से खरीदकर ऊधमसिंह नगर में 8,500 रुपये प्रति किलोग्राम के हिसाब से बेचा जाता था।

> 66 एसएसपी जयप्रकाश सिंह ने बताया कि गुरुवार को धानीखेड़ा चौराहे पर वाहन चेकिंग के दौरान मुखबिर से सूचना मिली थी कि पाटन की ओर से आ रहे एक ट्रक और उसके साथ चल रही स्विफ्ट डिजायर कार में अवैध गांजा ले जाया जा रहा है। सूचना पर महेशखेड़ा चौराहे पर बैरियर लगाकर दोनों वाहनों को रोका गया।

ओडिशा से लाकर उत्तराखंड में करते थे सप्लाई

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि ट्रक को ओडिशा भेजा गया था। वहां बिल्डिंग मैटेरियल के साथ गुप्त रूप से गांजा भी लोड कराया गया। गांजा ओडिशा के बलांगीर क्षेत्र से खरीदा गया था और उसे उत्तर प्रदेश के रास्ते उत्तराखंड पहुंचाया जाता था।

कई आरोपियों पर पहले से दर्ज हैं मुकदमे

पुलिस जांच में सामने आया कि गिरफ्तार किए गए कई आरोपी पहले भी एनडीपीएस एक्ट और गैंगस्टर एक्ट के मामलों में नामजद रह चुके हैं। पुलिस का मानना है कि यह लंबे समय से सक्रिय अंतर्राज्यीय तस्करी गिरोह है। थाना बारासगवर में आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। ट्रक और कार के वैध दस्तावेज न मिलने पर दोनों वाहनों को मोटर वाहन अधिनियम की धारा 207 के तहत सीज कर दिया गया है। पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों, वित्तीय लेन-देन और पूरे नेटवर्क की जांच कर रही है। साथ ही ओडिशा और उत्तराखंड पुलिस से समन्वय स्थापित कर फरार आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है।

गारनेट पाउडर की बोरियों में छिपाया था गांजा

तस्करों ने पुलिस की नजर से बचने के लिए गांजे को गारनेट पाउडर की बोरियों के बीच छिपाया था।

बाहर से ट्रक पूरी तरह बिल्डिंग मैटेरियल से भरा हुआ दिखाई दे रहा था, लेकिन सघन तलाशी के दौरान चार बोरियां ट्रक से और एक बोरी कार से बरामद हुई।

साथ ही ओडिशा और उत्तराखंड पुलिस से समन्वय स्थापित कर फरार आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है।

बेटी का स्कूली बैग सीने से लगाकर रो रही मां

70 घंटे से दरवाजे पर टकटकी लगाए बैठीं, बोलीं- जरूर आएगी

तमसा संकेत, एजेंसी

बुलंदशहर। जिस बैग को लेकर चारु रोज स्कूल जाती थी, आज वही बैग उसकी मां के हाथों में है। मां दिनभर उसे सीने से लगाए दरवाजे की ओर टकटकी लगाए बैठी रहती हैं। उन्हें अब भी उम्मीद है कि बेटी कहीं से आएगी और आवाज लगाएगी। लेकिन 70 घंटे से ज्यादा समय बीत चुका है और 11 साल की चारु का अब तक कोई सुराग नहीं मिला। दरअसल, बुलंदशहर के साठा इलाके में चौथी कक्षा की छात्रा चारु कश्यप 28 जुलाई की दोपहर करीब 12:30 बजे स्कूल से घर लौट रही थी। रास्ते में बारिश के पानी से उफन रहे खुले नाले में गिरने के बाद वह तेज बहाव में बह गई। जिला मुख्यालय की इस घटना का CCTV फुटेज भी सामने आया है, जिसमें वह नाले के पास जाती दिखाई दे रही है। हादसे के बाद नाले से लेकर काली नदी तक करीब एक किलोमीटर तक सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है, लेकिन अभी तक बच्ची का कोई पता नहीं चल पाया है। वहीं, इस मामले में बुलंदशहर नगर पालिका के चार अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है, जबकि स्कूल प्रबंधन के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज किया गया है। साठा मोहल्ले में रिंकू कश्यप अपनी पत्नी ज्ञानवती और दो बच्चों के साथ रहते हैं। बेकरी की दुकान चलाने वाले रिंकू का बड़ा बेटा गगन 19 साल का है और बीबीए की पढ़ाई कर रहा है। जबकि चारु चौथी कक्षा की छात्रा थी। रोज की तरह मंगलवार को भी चारु दोपहर करीब 12:30 बजे स्कूल की छुट्टी के बाद घर लौट रही थी। घर लौटते समय तेज बारिश शुरू हो गई। कई दिनों से हो रही बारिश के कारण शहर के नाले पहले से ही लबालब थे। मंगलवार को हुई तेज बारिश के कारण साठा इलाके की धर्मपाल वाली गली में बारिश का पानी तेज बहाव के साथ खुले नाले में जा रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, चारु जैसे ही नाले के पास पहुंची, उसका पैर फिसल गया।

चारू, मृतक

फास्ट न्यूज

राजस्व कर्मी पर ठगी का आरोप

उन्नाव। उन्नाव के पुरवा क्षेत्र में एक ग्रामीण ने राजस्व विभाग के एक कर्मचारी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। ग्रामीण का कहना है कि जमीन आवंटन के नाम पर उससे एक लाख रुपये लिए गए, पैसे मांगने पर जातिसूचक गालियां देने और जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप है। मौरावां थाना क्षेत्र के निवासी श्रीकिशन ने बताया कि साल 2018 में तत्कालीन क्षेत्रीय राजस्व कर्मी ने उन्हें सरकारी भूमि आवंटित कराने का आश्वासन दिया था।

गंगा एक्सप्रेस-वे पर अखिलेश यादव का जोरदार स्वागत

हरदोई। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का गुरुवार देर रात हरदोई के गंगा एक्सप्रेस–वे पर सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। वह बदायूं दौरे से लौट रहे थे। इस दौरान रूपापुर से लेकर बिलग्राम, मल्लावां और बांगरमऊ बॉर्डर तक जगह–जगह कार्यकर्ताओं ने उनका अभिनंदन किया। पूर्व प्रत्याशी बृजेश कुमार वर्मा उर्फ टिल्लू और समाजवादी व्यापार सभा के प्रदेश सचिव रामज्ञान गुप्ता के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने अखिलेश यादव का काफिला रोककर उनका स्वागत किया। कार्यकर्ताओं ने उन्हें फूल–मालाएं पहनाकर सम्मानित किया।

चाइनीज मांझे से युवक की गर्दन कटी

उन्नाव। उन्नाव में प्रतिबंधित चाइनीज मांझे का खतरा एक बार फिर सामने आया है। बुधवार शाम कोतवाली सदर क्षेत्र के हरदोई पुल पर बाइक से जा रहे एक युवक की गर्दन में चाइनीज मांझा फंस गया। मांझे की धार से उसकी गर्दन गंभीर रूप से कट गई। घटना के बाद पुलिस ने पूरे शहर में चाइनीज मांझे के खिलाफ विशेष अभियान शुरू कर दिया। मोहम्मद रजा बाइक से जा रहे थे। इसी दौरान अचानक उनकी गर्दन में चाइनीज मांझा फंस गया।

वाराणसी में फर्जी कॉल सेंटर पर पुलिस का छापा

1.25 करोड़ की साइबर ठगी का खुलासा, 32 गिरफ्तार

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में बड़े फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया है। शेयर बाजार में निवेश के नाम पर 1.25 करोड़ रुपये की साइबर धोखाधड़ी का खुलासा किया गया है। इस मामले में 21 महिलाओं सहित कुल 32 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तारी के बाद शुक्रवार को वाराणसी पुलिस ने जब डीसीपी क्राइम नीतू कादयान के सामने इनमे से 21 युवतियां को पेश किया तो वो उग्र हो गयीं। चिल्लाना शुरू किया और कहा कि पहले कंपनी ने धोखा दिया। उसके बाद पुलिस ने बेवकूफ बनवाकर साइन करवाए और अब मीडिया के सामने परेड कराई जा रही है। सब कुछ खत्म हो गया हम लोगों का। फिलहाल पुलिस ने सभी का मेडिकल करवाने के बाद कोर्ट में पेश कर जेल भेजने की तैयारी शुरू कर दी है। डीसीपी क्राइम नीतू कादयान ने बताया - हमारे साइबर थाने में एक शिकायत मिली थी कि शेयर में निवेश के नाम पर पैसा लिया गया पर कोई लाभ नहीं मिला। इसके अलावा महमूरगंज के एक मकान में लड़के-लड़कियों के आने जाने की सूचना अभी हमें मिली थी। इसपर हमने रैकी करते हुए गुरुवार को दोपहर बाद वहां छापेमारी की थी। इस छापेमारी वहां टेली कलिंग करने वाली 21 महिला और 9 पुरुष सहित कुल 32 लोगों को गिरफ्तार किया गया था।

500मी दूर पेड़ से लटके मिले दोनों के शव, मां बोली-6 महीने से अफेयर था

शादीशुदा प्रेमी-प्रेमिका ने की आत्महत्या

- ग्रामीणों ने विवाहिता के शव को फांसी के फंदे से लटका हुआ देखा।
- महिला से 500 मीटर दूर युवक ने भी जामुन के पेड़ पर रस्सी से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।
- ग्रामीणों ने तुली का शव बालाजी मंदिर से आगे एक जामुन के पेड़ पर फांसी के फंदे से लटका हुआ देखा।

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई के एक गांव में शुक्रवार सुबह ऐसा मंजर दिखा, जिसने पूरे इलाके को सन्न कर दिया। गांव की एक विवाहिता और 18 साल के युवक के शव अलग-अलग पेड़ों पर फंदे से लटके मिले। मामला जिला मुख्यालय से 45 किमी दूर अरवल के हैदराबाद लालपुर गांव की है। दोनों शव करीब एक किलोमीटर की दूरी पर थे। परिजनों का कहना है कि दोनों के बीच पिछले छह महीने से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। पुलिस ने दोनों शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं और पूरे मामले की जांच कर रही है। हैदराबाद लालपुर गांव में शुक्रवार सुबह 9 बजे खेतों की ओर गए ग्रामीणों ने सबसे पहले जनवेश (18) उर्फ तुली का शव बालाजी मंदिर से आगे गंगा किनारे जामुन के पेड़ पर फंदे से लटका देखा। कुछ ही देर बाद गांव के पश्चिम में करीब एक किलोमीटर दूर गूलर के पेड़ पर 28 वर्षीय सरोजिनी का शव भी साड़ी के फंदे से लटका मिला। सूचना मिलते ही गांव में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद अरवल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। मृतक युवक की पहचान लालपुर हैदराबाद गांव निवासी जनवेश (18 वर्ष) पुत्र स्वर्गीय केशाराम के रूप में हुई है।

मृतक

सरोजिनी

जन्मेष उर्फ तुली

8 साल पहले हुई थी महिला की शादी

मृतक महिला सरोजिनी (28 वर्ष) पत्नी खुशीराम इसी गांव की निवासी थी। सरोजिनी की शादी करीब आठ वर्ष पहले खुशीराम से हुई थी। सरोजिनी के पति खुशीराम कानपुर में मजदूरी करते हैं, जबकि सरोजिनी गांव में ही रहती थी। उसका मायका और ससुराल दोनों लालपुर हैदराबाद गांव में ही हैं। सरोजिनी की दो बड़ी बहनों ने भी अलग-अलग समय पर खुशीराम से शादी के बाद आत्महत्या कर ली थी। सरोजिनी ने गांव के पश्चिम में परशुराम के खेत में स्थित एक गूलर के पेड़ पर साड़ी के फंदे से फांसी लगा ली। जनवेश और सरोजिनी के घर के बीच की दूरी करीब 200 मीटर दूर है। जनवेश का शव घर से करीब 500 मीटर दूर मिला।

महिला की सास बिटोली ने बताया कि शुक्रवार को मृतक युवक जनवेश का बड़ा भाई उनके घर आया था। उसने उनकी बहू को गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों से पीटा, जिसके बाद सरोजिनी ने फांसी लगा ली। युवक ने जामुन के पेड़ पर रस्सी से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जबकि 500 मीटर की दूरी पर उसी गांव की निवासी सरोजनी पत्नी खुशीराम उम्र करीब 30 वर्ष ने बगीचे में अपनी साड़ी से गुलर के पेड़ पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। सूचना पर स्थानीय पुलिस द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया गया।

प्रबल हत्याकांड में कारोबारी बाप-बेटे समेत 7 को उमक्रैद

बेटी से बात करने पर हत्या की थी, सदमे में माता-पिता की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

बिजनौर। बिजनौर के चर्चित प्रबल हत्याकांड में 14 साल बाद फैसला आया है। शुक्रवार को फास्ट ट्रैक कोर्ट ने कारोबारी बाप-बेटे समेत 7 दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई। साथ ही, सभी पर एक-एक लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया। दो दिन पहले कोर्ट ने सातों को दोषी ठहराया था। साल 2012 में कारोबारी ने बेटी से बात करने पर 18 साल के प्रबल अग्रवाल की पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। इसके बाद उसका शव गंगा में फेंक दिया था। इस हत्याकांड के सदमे में प्रबल के माता-पिता की भी मौत हो गई थी। बहन प्राची ने 14 साल तक कानूनी लड़ाई लड़कर भाई को इंसाफ दिलाया। कोर्ट ने जुर्माने की 90 प्रतिशत राशि प्राची को देने का आदेश दिया है। फैसला सुनते ही प्राची रोने लगीं। उन्होंने कहा, "मुझे बहुत लंबे समय बाद न्याय मिला। दोषियों को फांसी होती तो ज्यादा अच्छा होता।" 19 दिसंबर, 2012 को बिजनौर शहर कोतवाली क्षेत्र के शहनाई बैंक्वेट हॉल में रात 8 बजे महाराजा अग्रसेन जयंती का कार्यक्रम चल रहा था। इसी कार्यक्रम में मोहल्ला जाटान का रहने वाला प्रबल अग्रवाल (18) भी गया था। वह कार्यक्रम में रामलीला कमेटी के तत्कालीन अध्यक्ष संजय अग्रवाल की बेटी से बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान शराब के नशे में संजय अग्रवाल ने प्रबल के बेटी से बात करने पर ऐतराज जताया। इसी बात पर दोनों में कहासुनी हुई। इसके बाद संजय और विनय अग्रवाल समेत अन्य लोगों ने प्रबल अग्रवाल के साथ मारपीट शुरू कर दी। उसे पीट-पीटकर अधमरा कर दिया। इसके बाद उसे कार में डालकर एक प्राइवेट डॉक्टर के पास ले गए, जहां डॉक्टर ने प्रबल को मृत घोषित कर दिया। मौत के बाद सभी आरोपियों ने फंसने के डर से प्रबल की लाश 10 किमी दूर गंगा नदी में फेंक दी।

प्रबल अग्रवाल मृतक

लाखों लीटर गंदा पानी गंगा में छोड़ा गया

स्थानीय लोगों के विरोध के बाद कार्रवाई, रुका बहाव

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। जिले में लगातार हो रही बारिश के बीच मिश्रा कॉलोनी से मनोहर नगर की ओर जाने वाला नाला उफान पर आ गया। नाले के ओवरफ्लो होने से लाखों लीटर अशोधित गंदा पानी सीधे गंगा नदी में गिरने लगा, जिससे नदी के जल प्रदूषित होने का मामला सामने आया। स्थानीय लोगों की शिकायत और विरोध प्रदर्शन के बाद शुक्रवार को नगर पालिका ने मौके पर पहुंचकर नाले को बंद कराने की कार्रवाई की। स्थानीय लोगों के अनुसार रेलवे पुल के नीचे बना यह नाला दो स्थानों पर अक्सर ओवरफ्लो हो जाता है। बारिश के दौरान जब इसमें पानी का दबाव बढ़ जाता है तो इसकी क्षमता जवाब दे देती है और सीवर मिश्रित गंदा पानी सीधे गंगा नदी में बहने लगता है। इससे न केवल नदी का जल प्रदूषित हो रहा है, बल्कि आसपास के इलाकों में भी गंदगी और दुर्गंध फैल रही है। नाले के उफान पर आने और गंदा पानी गंगा में गिरने की सूचना मिलते ही स्थानीय नागरिकों ने मौके पर पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन और नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए नाराजगी जताई। उनका कहना था कि लंबे समय से समस्या की जानकारी देने के बावजूद जिम्मेदार विभाग ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। क्षेत्रीय निवासियों का कहना है कि पिछले दो महीने से नगर पालिका को लगातार शिकायतें दी जा रही थीं। इसके बावजूद नाले की सफाई नहीं कराई गई और न ही जल निकासी की स्थायी व्यवस्था बनाई गई। परिणामस्वरूप हल्की बारिश में भी नाला उफान पर आ जाता है और आसपास के क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति बन जाती है।

मिश्रा कॉलोनी और मनोहर नगर में बढ़ी परेशानी

नाले के ओवरफ्लो होने से मिश्रा कॉलोनी, मनोहर नगर और आसपास के कई इलाकों में जलभराव की समस्या उत्पन्न हो गई। सड़कों पर गंदा पानी भरने से लोगों का आवागमन प्रभावित हुआ। स्थानीय लोगों का कहना है कि गंदगी और ठहरे हुए पानी के कारण मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है, जिससे संक्रामक बीमारियों का खतरा भी लगातार बढ़ता जा रहा है। गंगा स्नान के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं ने भी गंगा में गिर रहे गंदे पानी पर चिंता व्यक्त की। उनका कहना था कि आस्था की प्रतीक गंगा नदी में बिना शोधन के सीवर और नाले का पानी मिलना बेहद गंभीर विषय है। उन्होंने प्रशासन से तत्काल प्रभावी कदम उठाने की मांग की।

स्थायी समाधान की मांग

क्षेत्रवासियों ने प्रशासन और नगर पालिका से मांग की है कि नाले की तत्काल सफाई कराई जाए, ओवरफ्लो की समस्या का स्थायी समाधान किया जाए और ऐसी व्यवस्था विकसित की जाए जिससे बिना शोधन के गंदा पानी किसी भी स्थिति में गंगा नदी में न पहुंच सके।

सतर्कता : फिर भी घाटों तक पहुंचा पानी, शुक्लागंज में चेतावनी बिंदु से 35 सेमी नीचे बह रही गंगा

24 घंटे में 15 सेमी घटा गंगा जलस्तर

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में कई दिनों से लगातार बढ़ रहा गंगा नदी का जलस्तर अब घटने लगा है। पिछले 24 घंटे में गंगा का जलस्तर करीब 15 सेंटीमीटर कम हुआ है। इसके बावजूद नदी का पानी शुक्लागंज समेत प्रमुख घाटों तक पहुंचा हुआ है। ऐसे में प्रशासन ने राहत की सांस तो ली है, लेकिन सतर्कता बरकरार रखते हुए बाढ़ चौकियों और संबंधित विभागों को अलर्ट रहने के निर्देश दिए हैं। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार, शुक्रवार सुबह 10 बजे गंगा का जलस्तर 110.650 मीटर दर्ज किया गया। गुरुवार सुबह इसी समय यह 110.850 मीटर था। यानी एक दिन में जलस्तर में करीब 15 सेंटीमीटर की कमी आई है। इससे पहले रविवार शाम छह बजे जलस्तर 110.910 मीटर था। सोमवार और मंगलवार को इसमें लगातार बढ़ोतरी हुई और बुधवार दोपहर एक बजे यह 111.050 मीटर तक पहुंच गया था। इसके बाद जलस्तर में गिरावट दर्ज की गई। फिलहाल शुक्लागंज में गंगा का जलस्तर चेतावनी बिंदु 112 मीटर से करीब 35 सेंटीमीटर नीचे है। यहां खतरे का निशान 113 मीटर निर्धारित है। हालांकि जलस्तर चेतावनी बिंदु से नीचे है, लेकिन नदी का पानी प्रमुख घाटों तक पहुंच गया है। इसे देखते हुए प्रशासन किसी तरह का जोखिम नहीं लेना चाहता और लगातार निगरानी कर रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, हरिद्वार, नरौरा और गंगा बैराज से छोड़े गए पानी के साथ उत्तराखंड और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के ऊपरी इलाकों में हुई बारिश का असर उन्नाव में गंगा के जलस्तर पर देखने को मिला। इसी वजह से पिछले कुछ दिनों में नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ा था। अधिकारियों का कहना है कि अगर आने वाले दिनों में ऊपरी क्षेत्रों में दोबारा तेज बारिश होती है या बांधों से अधिक पानी छोड़ा जाता है, तो गंगा का जलस्तर फिर बढ़ सकता है। इसलिए नदी किनारे बसे गांवों और निचले इलाकों पर लगातार नजर रखी जा रही है। फिलहाल किसी आबादी वाले क्षेत्र में जलभराव की स्थिति नहीं है।

> प्रशासन ने श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों से अपील की है कि वे अनावश्यक रूप से गंगा किनारे न जाएं और बच्चों को अकेले घाटों पर न भेजें। किसी भी आपात स्थिति की सूचना तुरंत प्रशासन को देने के लिए कहा गया है। साथ ही बाढ़ चौकियों और संबंधित विभागों को पूरी तरह सतर्क रहने के निर्देश जारी किए गए हैं।

दहेज और बेटी के जन्म पर प्रताड़ित करने का आरोप

हरदोई में महिला को घर से निकाला, पति समेत पांच के खिलाफ मुकदमा दर्ज

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोईहरदोई के हरपालपुर कोतवाली क्षेत्र में बेटी को जन्म देने और अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर विवाहिता को प्रताड़ित करने का मामला सामने आया है। न्यायालय के आदेश पर बृहस्पतिवार रात 9:06 बजे हरपालपुर कोतवाली में पति समेत पांच नामजद आरोपियों के खिलाफ दहेज प्रतिषेध अधिनियम (डीपी एक्ट), मारपीट, आपराधिक धमकी सहित अन्य धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है। पीड़िता उपासना (25), निवासी मलौथा गांव, हरपालपुर ने बताया कि उनका विवाह 13 जून 2020 को फर्रुखाबाद जिले के कमालगंज थाना क्षेत्र स्थित गदनापुर गांव निवासी रोहित के साथ हुआ था। पीड़िता के अनुसार, दंपति के दो पुत्रों की पहले ही मृत्यु हो चुकी है, जबकि उनकी नौ माह की पुत्री जीवित है। आरोप है कि बेटी के जन्म को लेकर भी ससुराल पक्ष का व्यवहार और अधिक अमानवीय हो गया। उपासना का कहना है कि 27 जून 2026 की शाम करीब 7:30 बजे पति समेत अन्य आरोपियों ने उनके साथ मारपीट की और नौ माह की बच्ची के साथ पहने हुए कपड़ों में ही घर से बाहर निकाल दिया। ग्रामीणों के विरोध करने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से चले गए। उपासना ने पति रोहित, सास रजनी, ससुर राजेश, देवर मोहित तथा ननद दीपाली के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता का आरोप है।

> आरोप है कि विवाह के बाद से ही पति और ससुराल पक्ष मोटर-साइकिल व दो लाख रुपये नकद अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर उन्हें प्रताड़ित करते रहे। उनका कहना है कि मायके पक्ष ने अपनी सामर्थ्य के अनुसार दान-दहेज दिया था, लेकिन इसके बावजूद उत्पीड़न बंद नहीं हुआ।

सम्पादकीय

बल प्रयोग की सीमा

कॉकरोच जनता पार्टी के संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा को एक खास एजेंडे के तहत किस तरह अपने संकीर्ण स्वार्थों की पूर्ति के लिए भुनाने की कोशिश हो रही है, इसका ही प्रमाण है सुप्रीम कोर्ट में पैलेट गन के इस्तेमाल पर पाबंदी की मांग वाली याचिका। यह अच्छा हुआ कि सुप्रीम कोर्ट ने इस मांग को ठुकराते हुए यह भी कहा कि असाधारण परिस्थितियों में पैलेट गन का इस्तेमाल किया जा सकता है।

पता नहीं इस टिप्पणी से वे लोग हतोत्साहित होंगे या नहीं, जो यह सिद्ध करने में लगे हैं कि सीजेपी का संसद मार्च पूरी तरह शांतिपूर्ण था और पुलिस ने अकारण बल प्रयोग किया, लेकिन इसकी अनदेखी न की जाए कि प्रदर्शनकारियों में शामिल कुछ तत्व बैरिकेडिंग तोड़कर संसद में घुसने की चेष्टा कर रहे थे और इस क्रम में उन्होंने पुलिस पर पथराव भी किया। संभवतः इसी के चलते वे परिस्थितियां पैदा हुईं, जिनमें पुलिस और अर्धसैनिक बलों को भीड़ के खिलाफ बल प्रयोग करना पड़ा। इस बल प्रयोग पर सवाल उठाने वालों को बताना चाहिए कि बिना अनुमति संसद मार्च निकाल रही भीड़ संसद घेर कर अथवा उसके परिसर में घुस कर क्या करती? क्या शिक्षा और परीक्षा सुधार पर चर्चा? शायद वह वैसा ही कुछ करती, जैसा उसने कृषि कानून विरोधी आंदोलन के दौरान लाल किले पर धावा बोलकर किया था। उस समय अराजक भीड़ ने पुलिस वालों को पीटा भी था।

क्या यह सच नहीं कि सीजेपी के संसद मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों के साथ बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी भी घायल हुए। तथ्य यह भी है कि अराजक भीड़ ने कुछ पत्रकारों को पीटा और एक महिला पत्रकार से छेड़छाड़ भी की। इसके अलावा सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान भी पहुंचाया। इस सबकी अनदेखी कर केवल यह सिद्ध करने की कोशिश करना शरारत ही है कि पुलिस ने भीड़ पर अकारण और अनावश्यक बल प्रयोग किया।

अनियंत्रित भीड़ के खिलाफ बल प्रयोग के दौरान पुलिस से कुछ ज्यादती हो सकने से इन्कार नहीं, लेकिन इसका पता किसी जांच से ही चलता है, भाषणों और याचिकाओं से नहीं। जांच की मांग में कोई हर्ज नहीं, लेकिन यह ध्यान रखा जाए कि हिंसा फैलाने पर आमादा अनियंत्रित भीड़ के खिलाफ कब और कितना बल प्रयोग हो, इसका फैसला भीड़ का सामना कर रहे सुरक्षा कर्मी ही बेहतर ढंग से कर सकते हैं।

स्पष्ट है कि इस मामले में प्रदर्शनकारियों के साथ ही पुलिस कर्मियों का भी पक्ष सुना जाना चाहिए। पैलेट गन के इस्तेमाल की पाबंदी की मांग कर उनके हाथ बांधने की जो कोशिश की जा रही, वह ठीक नहीं। वास्तव में इसी मांग के तहत ही यह कहा जा रहा है कि हिंसा में शामिल आपराधिक रिकार्ड वाले तत्वों के खिलाफ भी कोई कार्रवाई न की जाए। यह अराजक तत्वों को संरक्षण देने के अलावा और कुछ नहीं।

कुरीति और रूढ़ियों से सुदृढ़ वर्तमान की ओर

छूटना और छोड़ना दो विपरीत शब्द है । छूटने में भावधारा उसके साथ नहीं जुड़ी होती हैं, जबकि छोड़ना अंतरमन की गहराइयों से ,अनासक्ति की चेतना आदि -आदि से होता है।हमारे द्वारा दृढ़ मनोबल की प्रवृति के बिना ऊपर ऊपर से छूटना माया है ।वह अपने मन के साथ छलावा है। वह जहां असक्ति जुड़ी रहती है,वहां छूटने की बात होती है,छूटता नहीं है। मन से छोड़ना त्याग है, विराग है । वह जिससे मन को आंनद मिलता है और बाध्यता से छुड़वाने से बार - बार उसके लिए मन मचलता है। आचार्य श्री तुलसी एक युगपुरुष और युगप्रधान संत थे । जिन्होंने तेरापंथ धर्मसंघ को न केवल भारत बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी प्रसिद्धि दिलाई। उन्होंने धर्म को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया और उन्होंने तेरापंथ को नवीन दिशा दी। वह कितनों का उन्होंने कल्याण किया । वे केवल आचार्य नहीं, बल्कि एक समाज सुधारक, विचारक, और मानवीय मूल्यों के मसीहा थे। आचार्य श्री तुलसी ने अणुव्रत आंदोलन, प्रेक्षाध्यान और जीवन विज्ञान आदि- आदि जैसे महत्त्वपूर्ण अभियानों का सूत्रपात किया, जो आज भी नैतिकता, मानसिक शांति और समग्र विकास आदि- आदि की प्रेरणा देते हैं। उनके द्वारा स्थापित अणुव्रत ने एक आन्दोलन का रूप ले जाति, धर्म, और सम्प्रदाय आदि- आदि की सीमाओं से ऊपर उठकर चारित्रिक मूल्यों को सशक्त किया था । उन्होंने जीवन विज्ञान के माध्यम से शैक्षिक जगत में व्यक्तित्व निर्माण और समाज सुधार आदि - आदि की नई दृष्टि दी। धर्म और अध्यात्म के क्षेत्र में उन्होंने सदैव सजीवता और सच्चाई का साथ दिया। उनका मानना था कि सच्चे धर्म का वास मनुष्य के अंतःकरण में होता है। उन्होंने रूढ़ियों का खंडन करते हुए धर्म के मूल स्वरूप को उजागर किया और समाज में मानवता का संदेश फैलाया।उन्होंने नारी शिक्षा, संस्कार निर्माण, सामाजिक बुराइयों का बहिष्कार, और धार्मिक सहिष्णुता आदि - आदि के लिए सतत् प्रयास किए। आचार्य श्री तुलसी के कार्यों का एक विशेष पहलू उनका नेतृत्व और दूरदर्शिता है, जिसके कारण तेरापंथ धर्मसंघ का सर्वांगीण विकास संभव हुआ।

› प्रदीप छाजेड़

पशुधन संरक्षण, गौसंवर्धन और ग्रामीण समृद्धि की उल्लेखनीय प्रगति

> पशु चिकित्सा विभाग द्वारा पशुपालकों को आधुनिक पशुपालन तकनीकों, संतुलित आहार, रोग प्रबंधन और डेयरी संचालन संबंधी प्रशिक्षण भी प्रदान किया जा रहा है। इन प्रयासों से पशुपालकों की दक्षता बढ़ी है और वैज्ञानिक पशुपालन को बढ़ावा मिला है।

पशु चिकित्सा विभाग लखनऊ जनपद में पशुधन संरक्षण, पशु स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, गौसंवर्धन, डेयरी विकास तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। विगत 09 वर्षों में विभाग ने पशुपालकों की आय वृद्धि, पशुधन उत्पादकता बढ़ाने, निराश्रित गोवंश संरक्षण तथा विभिन्न पशुधन विकास योजनाओं के के माध्यम से उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। विभाग की योजनाएं केवल उपचार सेवाओं तक सीमित न रहकर पशुधन आधारित आजीविका, संरक्षण और समावेशी विकास का मजबूत माध्यम बनकर उभरी हैं।

पशु चिकित्सा विभाग द्वारा पशुओं के उपचार, टीकाकरण, रोग नियंत्रण तथा कृत्रिम गर्भाधान जैसी सेवाओं के माध्यम से पशुधन को सुरक्षित और उत्पादक बनाने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। खुरपका-मुंहपका, ब्रूसेलोसिस तथा अन्य संक्रामक रोगों की रोकथाम हेतु व्यापक टीकाकरण अभियान चलाए गए, जिससे पशुधन संरक्षण को बल मिला है। निराश्रित बेसहारा गौवंश संरक्षण योजना के अंतर्गत जनपद लखनऊ में पिछले 09 वर्षों में 31,343 गौवंशों का संरक्षण 101 गौ आश्रय स्थलों में किया गया है। यह उपलब्धि गौसंरक्षण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण मानी जा सकती है। निराश्रित एवं बेसहारा गोवंश के संरक्षण, पोषण और उपचार के लिए आश्रय स्थलों की स्थापना तथा संचालन ने पशु कल्याण और सामाजिक सहभागिता दोनों को बढ़ावा दिया है।

गौसंरक्षण को और मजबूत बनाने की दिशा में वृहद गौ संरक्षण केंद्र निर्माण योजना के अंतर्गत पिछले 09 वर्षों में जनपद लखनऊ में 14 वृहद गौ संरक्षण केंद्रों का निर्माण रु. 16.11 करोड़ की लागत से कराया गया है। यह आधारभूत संरचना न केवल निराश्रित गोवंश संरक्षण को सुदृढ़ कर रही है, बल्कि पशु कल्याण की स्थायी व्यवस्था भी विकसित कर रही है। इन केंद्रों के निर्माण से गोवंश संरक्षण के लिए व्यवस्थित और दीर्घकालिक व्यवस्था सुनिश्चित हुई है। दुग्ध उत्पादन संवर्धन और पशुपालकों की आय बढ़ाने की दिशा में नंदिनीधमनी नंदिनी योजना भी महत्वपूर्ण रही है। इस योजना के अंतर्गत पिछले 09 वर्षों में जनपद लखनऊ में 09 लाभार्थियों को मिनी नंदिनी योजना का लाभ प्रदान किया गया है। यह योजना डेयरी गतिविधियों को बढ़ावा देकर स्वरोजगार और आर्थिक आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित कर रही है। इसी प्रकार नेशनल लाइव स्टॉक मिशन के अंतर्गत पिछले 09 वर्षों में जनपद लखनऊ में 09 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया है। इस मिशन के माध्यम से पशुधन आधारित आजीविका, नस्ल सुधार, उत्पादन क्षमता वृद्धि और आधुनिक पशुपालन को प्रोत्साहन मिला है। यह मिशन पशुधन क्षेत्र में नवाचार और उत्पादकता बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम बन रहा है।

कुक्कुट विकास योजना 2022 के अंतर्गत भी जनपद लखनऊ में 09 लाभार्थियों को लाभ प्रदान किया गया है। इस योजना ने मुर्गी पालन को स्वरोजगार और अतिरिक्त आय के स्रोत के रूप में प्रोत्साहित किया है। विशेषकर छोटे और सीमांत किसानों के लिए कुक्कुट पालन आर्थिक सशक्तीकरण का प्रभावी साधन बनकर उभरा है।

नस्ल सुधार के क्षेत्र में कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रमों के माध्यम से उच्च गुणवत्ता वाली नस्लों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इससे दुग्ध उत्पादन क्षमता में वृद्धि और पशुपालकों की आय में सुधार देखने को मिला है। विभाग द्वारा पशुधन को अधिक उत्पादक और लाभकारी बनाने के लिए तकनीकी मार्गदर्शन भी दिया जा रहा है।

पशु चिकित्सा विभाग द्वारा मोबाइल वेटरनरी यूनिट्स तथा ग्रामीण पशु स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार से दूरस्थ क्षेत्रों तक उपचार सुविधा पहुंचाई गई है। समय पर उपचार और आपातकालीन सेवाओं ने पशुधन हानि को कम करने में सहायता की है।

लखनऊ में पशुपालन आधारित आजीविका को सशक्त बनाने के लिए डेयरी, बकरी पालन तथा कुक्कुट पालन जैसी गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है और किसानों की आय के वैकल्पिक स्रोत विकसित हुए हैं।

महिला सशक्तीकरण में भी पशुपालन योजनाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। महिलाओं को डेयरी और लघु पशुपालन गतिविधियों से जोड़कर आर्थिक आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित किया गया है। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से भी इन योजनाओं को गति मिली है।

पशु चिकित्सा विभाग द्वारा चारा विकास, पशु पोषण और स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों पर भी विशेष बल दिया गया है। संतुलित पोषण और वैज्ञानिक प्रबंधन से पशुओं की उत्पादकता और स्वास्थ्य दोनों में सुधार हुआ है।

यदि उपलब्धियों को समग्र रूप में देखें तो गौसंरक्षण, पशुधन विकास, डेयरी प्रोत्साहन, कुक्कुट पालन और आधारभूत संरचना विकास जैसे क्षेत्रों में विभाग ने उल्लेखनीय प्रगति की है। 31,343 गौवंश संरक्षण, 101 गौ आश्रय स्थल, 14 वृहद गौ संरक्षण केंद्रों का निर्माण, 16.11 करोड़ रुपये की लागत से आधारभूत संरचना विकास, तथा विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत लाभार्थियों को सहायता विभाग की सक्रिय कार्यप्रणाली को दर्शाती है।

विभाग की सफलता में नियमित मॉनिटरिंग, पारदर्शी क्रियान्वयन और योजनाओं की सतत समीक्षा की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। समय-समय पर निरीक्षण और समीक्षा के माध्यम से योजनाओं की प्रभावशीलता सुनिश्चित की गई है।

आज पशु चिकित्सा विभाग लखनऊ केवल पशु उपचार तक सीमित न रहकर पशुधन आधारित आर्थिक विकास, सामाजिक सहभागिता और ग्रामीण समृद्धि का प्रमुख माध्यम बन चुका है। विभाग की योजनाएं किसानों, पशुपालकों और ग्रामीण परिवारों को सशक्त बना रही हैं।

निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि पशु चिकित्सा विभाग लखनऊ ने विगत 09 वर्षों में पशुधन संरक्षण, गौसंवर्धन और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां अर्जित की हैं। निराश्रित गौवंश संरक्षण योजना, मिनी नंदिनी योजना, नेशनल लाइव स्टॉक मिशन, कुक्कुट विकास योजना तथा वृहद गौ संरक्षण केंद्र निर्माण जैसी पहलें विभाग की प्रभावी कार्यशैली और जनकल्याण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

- आदर अदीब पावेल बन्धु

पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प...

अशोक भाटिया

सामाजिक सद्भाव की परीक्षा और नेपाल सरकार की विफलता

नेपाल, जिसे दुनिया बुद्ध की शांति-भूमि और बहुसांस्कृतिक सह-अस्तित्व के एक अनुपम उदाहरण के रूप में जानती है, आज एक गंभीर सामाजिक और प्रशासनिक संकट के मुहाने पर खड़ा है। भारत के बिहार राज्य की सीमा से सटे सुनसरी जिले के कप्तानगंज से शुरू हुई चिंगारी ने देखते ही देखते मधेश और कोशी प्रांत के एक बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया है। सावन के पवित्र महीने में पारंपरिक बोलबम/कांवड़ यात्रा के दौरान लाउडस्पीकर बजाने और धार्मिक झंडों के प्रदर्शन को लेकर उपजा एक मामूली सा विवाद आज एक भयावह सांप्रदायिक हिंसा का रूप अख्तियार कर चुका है। इस हिंसा में अब तक तीन बेगुनाह नागरिकों—ओम प्रकाश मेहता, जय प्रकाश मेहता और गणेश यादव—की जान जा चुकी है, जबकि दर्जनों सुरक्षाकर्मी और आम नागरिक गंभीर रूप से घायल हैं। कई जिलों में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू, इंटरनेट सेवाओं पर आंशिक पाबंदी और सड़कों पर गश्त करती सेना इस बात का स्पष्ट संकेत हैं कि नेपाल का सामाजिक ताना-बाना इस समय अपने सबसे कठिन दौर से गुजर रहा है। यह विवाद 26 जुलाई 2026 की रात सुनसरी जिले की देवानगंज ग्रामीण नगरपालिका के कप्तानगंज इलाके में तब शुरू हुआ, जब दो अलग-अलग समुदाय अपने धार्मिक आयोजन कर रहे थे। एक पक्ष की

धार्मिक यात्रा के दौरान लाउडस्पीकर की आवाज और प्रतीकों के प्रदर्शन को लेकर दोनों गुटों में तीखी बहस हुई, जो जल्द ही हिंसक झड़प में बदल गई। स्थानीय प्रशासन और खुफिया तंत्र की घोर लापरवाही के कारण इस शुरुआती विवाद को समय रहते शांत नहीं किया जा सका। स्थिति तब और अनियंत्रित हो गई जब उग्र भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस को बल प्रयोग और गोलीबारी का सहारा लेना पड़ा, जिसमें एक स्थानीय युवक की मौत हो गई। इस मौत की खबर आग की तरह फैली और इसने सुलगते असंतोष को पूरे क्षेत्र में भड़का दिया। इसके बाद हिंसा का यह दौर सुनसरी से निकलकर सिराहा, धनुषा, पर्सा और जनकपुरधाम जैसे प्रमुख व्यावसायिक और सांस्कृतिक केंद्रों तक पहुंच गया। कई स्थानों पर आगजनी, तोड़फोड़ और पत्थरबाजी की घटनाएं सामने आईं, जिससे आम जनजीवन पूरी तरह ठप हो गया है। दरअसल यह हिंसा केवल दो समुदायों की आपसी कट्टरता का परिणाम नहीं है, बल्कि यह नेपाल के प्रशासनिक और सुरक्षा तंत्र की एक बहुत बड़ी विफलता है। सुरक्षा मामलों के जानकारों और पूर्व अधिकारियों का भी मानना है कि सुनसरी की घटना से काफी पहले ही तराई के इलाकों में सांप्रदायिक तनाव के स्पष्ट संकेत मिल रहे थे। लेकिन स्थानीय प्रशासन, नेपाल पुलिस और केंद्रीय खुफिया एजेंसियों ने इन चेतावनियों को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया। जब कोई संवेदनशील धार्मिक त्योहार या यात्रा आयोजित होती है, तो प्रशासन का यह प्राथमिक कर्तव्य होता है कि वह पहले से ही दोनों पक्षों के प्रबुद्ध नागरिकों के साथ बैठकें करे, रूट तय करे और लाउडस्पीकर जैसे संवेदनशील मुद्दों पर कड़े नियम लागू करे। कप्तानगंज में ऐसा कोई पूर्व-नियोजित प्रयास दिखाई नहीं दिया। इसके अलावा, जब हिंसा भड़की, तो केंद्र सरकार की ओर से त्वरित राजनीतिक और प्रशासनिक हस्तक्षेप बेहद देरी से हुआ। पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहाल 'प्रचंड' सहित कई सांसदों ने संसद में सरकार को आड़े हाथों लेते हुए सवाल उठाया है कि जब मधेश जल रहा था, तब देश के शीर्ष नेतृत्व ने सर्वदलीय बैठक और शांति बहाली के प्रयासों में इतनी देरी क्यों की। तराई-मधेश क्षेत्र में भड़की इस हिंसा का प्रभाव केवल नेपाल की आंतरिक सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि इसने भारत-नेपाल की खुली सीमा की संवेदनशीलता और दोनों देशों के बीच चलने वाले द्विपक्षीय व्यापारिक गलियारे के सामने भी गंभीर चुनौतियाँ खड़ी कर दी हैं। सुनसरी, पर्सा और सिराहा जैसे अशांत जिले भारत के बिहार राज्य के सीमावर्ती इलाकों से सीधे जुड़े हुए हैं। इस भू-राजनीतिक जुड़ाव के कारण नेपाल में उपजा कोई भी सांप्रदायिक या सामाजिक तनाव बहुत तेजी से सीमा पार भारतीय क्षेत्रों को भी प्रभावित कर सकता है। सीमावर्ती क्षेत्रों में अचानक बढ़े इस तनाव को देखते हुए भारत के सशस्त्र सीमा बल और नेपाल सशस्त्र पुलिस बल को हाई अलर्ट पर रहना पड़ रहा है, जिससे दोनों देशों के बीच नागरिकों की सामान्य आवाजाही और आपसी सामाजिक रिश्ते प्रभावित हो रहे हैं।

उत्तर प्रदेश में ...

केवल राम

प्रदेश में पर्यटन विभाग द्वारा आस्था के साथ रोजगार सृजन को प्राथमिकता

प्रदेश में पर्यटन अब सिर्फ घूमने फिरने तक सीमित नहीं रहा। यह युवाओं के लिए रोजगार और स्टार्टअप के नए मौके लेकर सामने आया है। राज्य सरकार की 'न्यू टूरिज्म स्टार्टअप यूनिट' पहल के जरिए युवा अपने आइडिया को कारोबार में बदल सकेंगे। मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश की अर्थव्यवस्था 'वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी' के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है। ऐसे में यह प्रयास पर्यटन सेक्टर को 'स्मार्ट' और 'अनुभव-आधारित' विशिष्ट पहचान दे रही है।

उत्तर प्रदेश में पर्यटन क्षेत्र में नवाचार और आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'नई पर्यटन स्टार्टअप इकाइयों' की श्रेणी के तहत ऐसे प्रोजेक्ट्स और सेवाओं को शामिल किया गया है, जो नवीन तकनीकों का उपयोग करते हों, सतत विकास को प्रोत्साहित करते हों एवं स्थानीय समुदायों पर सकारात्मक प्रभाव डालते हों। हॉबिट हाउस, कैरावान यूनिट्स से पर्यटन रोमांचक होगा। उत्तर प्रदेश में पर्यटन क्षेत्र को नवाचार, आधुनिक तकनीक और सतत विकास के साथ नई दिशा देने की पहल तेज कर दी गई है। इसी क्रम में कई अभिनव पर्यटन इकाइयों के मॉडल सामने लाने के प्रयास किए जा रहे हैं। 'हॉबिट हाउस' जैसे थीम आधारित आवास, जापानी शैली के पॉड्स, कैप्सूल स्टे, पर्यावरण संरक्षण पर आधारित रीजेनरेटिव टूरिज्म यूनिट्स, अत्याधुनिक तकनीक से लैस कैरावान यूनिट्स तथा ओपन-एयर 'स्टार बेड' विकसित करने का विचार किया जा रहा है।

इसी उद्देश्य से निवेशकों से निवेश प्रस्ताव आमंत्रित किए जा रहे हैं। सरकार की ओर से छूट मिलेगी। उ०प्र० पर्यटन नीति-2022 के तहत निवेशकों को आकर्षक प्रोत्साहन दिए जा रहे हैं। नीति के अनुसार 10 लाख से 10 करोड़ रुपए तक के निवेश पर 25 प्रतिशत की सब्सिडी (अधिकतम 02 करोड़ रुपए), 50 करोड़ रुपए तक के निवेश पर 20 प्रतिशत (अधिकतम 7.5 करोड़ रुपए), 200 करोड़ रुपए तक के निवेश पर 15 प्रतिशत (अधिकतम 20 करोड़ रुपए), 500 करोड़ रुपए तक के निवेश पर 10 प्रतिशत (अधिकतम 25 करोड़ रुपए) और 500 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश पर भी 10 प्रतिशत सब्सिडी (अधिकतम 40 करोड़ रुपए) दी जाएगी। इसके अतिरिक्त, शत प्रतिशत स्टांप शुल्क में छूट और सभी पर्यटन इकाइयों के लिए भूमि परिवर्तन एवं विकास शुल्क में पूर्ण छूट का भी प्रावधान है। इसके अलावा, अनुसूचित जाति/जनजाति और महिला उद्यमियों को 5 प्रतिशत की अतिरिक्त सब्सिडी प्रदान की जाएगी। 'मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में 'विकसित उत्तर प्रदेश-2047' की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में पर्यटन विभाग हरसंभव प्रयास कर रहा है। 'वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी' के लक्ष्य को प्राप्त करने में पर्यटन क्षेत्र की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। प्रदेश का पर्यटन धार्मिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और प्राकृतिक विविधताओं से समृद्ध है, जिसे आधुनिक सुविधाओं, बेहतर कनेक्टिविटी और नवाचार के माध्यम से और सशक्त किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश केवल आस्था का केन्द्र नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना, अध्यात्मिक परम्परा और ज्ञान-विरासत का प्रतिनिधि प्रदेश है, इसलिए पर्यटन विकास को केवल आधारभूत ढांचे तक सीमित न रखकर उसे सांस्कृतिक पुनर्जागरण, स्थानीय अर्थव्यवस्था रोजगार सृजन और वैश्विक पहचान से जोड़कर देखा जाना चाहिए।

जरा हटके

भारत में रंग केवल...

कुमार कृष्णन

जर्सी का रंग नहीं, खेल की गरिमा बचाने की जरूरत

भारतीय हॉकी टीम की नई यूनिफॉर्म में केसरिया रंग के प्रयोग को लेकर शुरू हुई बहस अब केवल खेल तक सीमित नहीं रही। यह विवाद राजनीति, इतिहास, सांस्कृतिक प्रतीकों और राष्ट्रीय पहचान के प्रश्नों तक पहुँच गया है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के बयान के बाद यह मुद्दा संसद से लेकर सोशल मीडिया तक चर्चा का विषय बन गया। सत्ता पक्ष इसे भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक बता रहा है, जबकि विपक्ष इसे प्रतीकों की राजनीति से जोड़कर देख रहा है। ऐसे में मूल प्रश्न यह नहीं है कि जर्सी का रंग क्या है, बल्कि यह है कि क्या खेल भी अब वैचारिक संघर्ष का नया मैदान बनते जा रहे हैं। लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है। सरकार के निर्णयों पर सवाल उठाना विपक्ष का अधिकार है और उन प्रश्नों का उत्तर देना सरकार की जिम्मेदारी लेकिन जब किसी राष्ट्रीय टीम की जर्सी का रंग खिलाड़ियों के प्रदर्शन से बड़ा विषय बन जाए, तब यह चिंता का विषय बन जाता है। खेलों की आत्मा प्रतिस्पर्धा, अनुशासन और उत्कृष्टता में निहित होती है। यदि राष्ट्रीय विमर्श खिलाड़ियों की उपलब्धियों के बजाय उनकी पोशाक पर केंद्रित हो जाए, तो यह खेल संस्कृति के लिए शुभ संकेत नहीं माना जा सकता।

भारत में रंग केवल रंग नहीं हैं; वे सांस्कृतिक और आध्यात्मिक अर्थों से जुड़े प्रतीक भी हैं। केसरिया त्याग, तप, साहस, ज्ञान और बलिदान का प्रतीक माना जाता है। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज में भी इसे सर्वोच्च स्थान प्राप्त है। इसलिए खेल पोशाक में केसरिया रंग का प्रयोग अपने-आप में असामान्य नहीं कहा जा सकता। वहीं लोकतांत्रिक समाज में किसी भी सार्वजनिक निर्णय पर प्रश्न उठाना भी समान रूप से वैध अधिकार है। समस्या तब उत्पन्न होती है, जब सांस्कृतिक प्रतीकों की व्याख्या राजनीतिक ध्रुवीकरण का माध्यम बनने लगती है। प्रियंका गांधी का यह कहना कि ₹रंग बदलने से सोच नहीं बदलती₹, केवल एक राजनीतिक टिप्पणी नहीं बल्कि एक व्यापक संदेश भी है। उनका संकेत इस ओर है कि किसी भी राष्ट्र का निर्माण केवल प्रतीकों से नहीं होता। शिक्षा, रोजगार, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, खेल अवसंरचना, सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती ही किसी देश की वास्तविक शक्ति होती है। यदि युवा अवसर, रोजगार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की मांग कर रहे हैं, तो उनके प्रश्नों का समाधान केवल प्रतीकात्मक बदलावों से नहीं, बल्कि ठोस नीतिगत निर्णयों से होगा।

दूसरी ओर, सत्ता पक्ष का तर्क भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। उसके अनुसार केसरिया किसी राजनीतिक दल की पहचान नहीं बल्कि भारतीय सभ्यता की दीर्घकालिक सांस्कृतिक परंपरा का प्रतीक है। संन्यास, त्याग, राष्ट्रसेवा और बलिदान की भावना सदियों से इस रंग से जुड़ी रही है। इसलिए यदि राष्ट्रीय टीम की जर्सी में इस रंग का प्रयोग किया गया है, तो उसे केवल राजनीतिक चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए। यही वह बिंदु है जहाँ यह विवाद केवल खेल का न रहकर सांस्कृतिक विमर्श का विषय बन जाता है। दरअसल, यह पहली बार नहीं है जब किसी राष्ट्रीय प्रतीक, रंग या सांस्कृतिक अभिव्यक्ति को लेकर राजनीतिक बहस छिड़ी हो। पिछले कुछ वर्षों में इतिहास, पाठ्यपुस्तकों, स्मारकों, स्थानों के नाम, राष्ट्रीय प्रतीकों और सांस्कृतिक विरासत को लेकर लगातार वैचारिक टकराव सामने आए हैं। इससे स्पष्ट है कि भारत में पहचान की राजनीति अब सार्वजनिक जीवन का स्थायी हिस्सा बन चुकी है। हॉकी की जर्सी पर उठा विवाद उसी व्यापक परिघटना की एक कड़ी है। लेकिन इस पूरे विवाद के बीच सबसे अधिक उपेक्षित पक्ष खिलाड़ी हैं। भारतीय हॉकी इस समय पुनर्जागरण के दौर से गुजर रही है। वर्षों के संघर्ष के बाद भारतीय पुरुष और महिला दोनों टीमें विश्व स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बना रही हैं। खिलाड़ियों की कठिन साधना, वैज्ञानिक प्रशिक्षण और निरंतर प्रदर्शन के कारण भारत फिर विश्व हॉकी की प्रमुख शक्तियों में गिना जाने लगा है। ऐसे समय में यदि राष्ट्रीय चर्चा खिलाड़ियों के खेल से अधिक उनकी जर्सी पर केंद्रित हो जाए, तो यह खेल के साथ न्याय नहीं होगा।

खेलों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे समाज में मौजूद विभाजनों को पाटने का काम करते हैं। भाषा, धर्म, जाति, क्षेत्र और विचारधारा की सीमाएँ मैदान पर धुंधली पड़ जाती हैं। खिलाड़ी केवल अपने देश के लिए खेलता है और दर्शक केवल उसकी सफलता में अपना गौरव खोजते हैं। यही कारण है कि खेलों को अक्सर राष्ट्रों के बीच संवाद और शांति का माध्यम माना गया है लेकिन पिछले कुछ दशकों में खेल भी राजनीति, बाजार और वैचारिक संघर्षों से पूरी तरह अछूते नहीं रहे हैं।

विश्व इतिहास इस बात का साक्षी है कि कई बार खेलों का उपयोग राजनीतिक संदेश देने के लिए किया गया। 1936 के बर्लिन ओलंपिक में नाजी जर्मनी ने खेलों को अपनी विचारधारा के प्रचार का मंच बनाया, किंतु अश्वेत अमेरिकी धावक जेसी ओवेन्स ने चार स्वर्ण पदक जीतकर नस्लीय श्रेष्ठता के उस दावे को चुनौती दे दी। 1968 के मैक्सिको ओलंपिक में टॉमी स्मिथ और जॉन कार्लोस ने नस्लीय भेदभाव के विरोध में पदक मंच पर मुट्ठियाँ उठाकर पूरी दुनिया का ध्यान आकर्षित किया।

सामान्य का कट-ऑफ ओबीसी से 7 अंक ज्यादा, अब फिजिकल पास करना होगा

पुलिस कॉन्स्टेबल परीक्षा का रिजल्ट जारी, 76 हजार पास

आयोजन

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश पुलिस कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा का परिणाम शुक्रवार को घोषित कर दिया गया। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड (UPPRPB) ने 32,679 पदों के लिए आयोजित लिखित परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों की सूची जारी कर दी है। इस परीक्षा में कुल 76,184 अभ्यर्थियों को अगले चरण के लिए सफल घोषित किया गया है। बोर्ड ने इसके साथ ही श्रेणीवार कट-ऑफ अंक भी सार्वजनिक कर दिए हैं। भर्ती बोर्ड द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, सामान्य वर्ग (General) की कट-ऑफ 258.03 अंक रही, जो सभी श्रेणियों में सबसे अधिक है। वहीं अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) की कट-ऑफ 251.63 अंक निर्धारित की गई है। इस तरह जनरल वर्ग की कट-ऑफ ओबीसी से करीब 7 अंक अधिक रही। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) की तुलना में ओबीसी वर्ग की कट-ऑफ लगभग 4 अंक ज्यादा रही। इसके अलावा अनुसूचित जाति (SC) वर्ग की कट-ऑफ 239.34 और अनुसूचित जनजाति (ST) वर्ग की कट-ऑफ 210.10 अंक निर्धारित की गई है। यूपी पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के अनुसार लिखित परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को अब डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन (DV) और फिजिकल स्टैंडर्ड टेस्ट (PST) से गुजरना होगा। डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन की प्रक्रिया 17 अगस्त से शुरू की जाएगी। इसके लिए विस्तृत कार्यक्रम बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी किया जाएगा। डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के बाद सितंबर माह में फिजिकल एफिशिएंसी टेस्ट (PET) आयोजित किया जाएगा। भर्ती बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि DV, PST और PET की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही अंतिम चयन सूची और फाइनल रिजल्ट जारी किया जाएगा। फिजिकल टेस्ट में पुरुष अभ्यर्थियों को 4.8 किलोमीटर की दौड़ 25 मिनट के भीतर पूरी करनी होगी। वहीं महिला अभ्यर्थियों को 2.4 किलोमीटर की दौड़ 14 मिनट में पूरी करनी होगी। निर्धारित समय सीमा में दौड़ पूरी करना अनिवार्य होगा। भर्ती बोर्ड ने अभ्यर्थियों को सलाह दी है कि वे डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन, फिजिकल टेस्ट और अन्य अपडेट के लिए समय-समय पर आधिकारिक वेबसाइट पर नजर बनाए रखें। सभी महत्वपूर्ण सूचनाएं बोर्ड की वेबसाइट पर ही जारी की जाएंगी।

28.86 लाख आवेदन आए थे, 6.94 लाख ने छोड़ी थी परीक्षा

बोर्ड के मुताबिक, कॉन्स्टेबल और समकक्ष पदों के 32,679 पदों के लिए 28,86,797 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। इनमें 19,62,560 पुरुष और 9,24,237 महिला अभ्यर्थी शामिल थीं। लिखित परीक्षा 8, 9 और 10 जून को प्रदेशभर के परीक्षा केंद्रों पर 6 पालियों में आयोजित की गई थी। इसके लिए प्रदेश के सभी 75 जिलों में 1,183 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे।

भर्ती बोर्ड के अनुसार, तीन दिनों में कुल 21,92,236 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए। वहीं, करीब 6.94 लाख अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। लिखित परीक्षा 300 अंकों की थी। इसमें 150 सवाल पूछे गए थे। हर सवाल 2 अंक का था। इस बार नेगेटिव मार्किंग की व्यवस्था खत्म कर दी गई थी।

परीक्षा के दौरान फर्जी अभ्यर्थियों और भ्रामक वीडियो फैलाने वालों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की गई। 12 मुकदमे दर्ज किए गए और 9 लोगों को गिरफ्तार किया गया। ई-केवाईसी, बायोमेट्रिक सत्यापन और सोशल मीडिया मॉनिटरिंग के जरिए फर्जीवाड़े के मामलों का पता लगाया गया।

पद्मावती संकुल स्तरीय समिति (संघ) के नवीन कार्यालय का हुआ उद्घाटन

तमसा संकेत, संवाददाता

(सीतापुर)। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत पद्मावती संकुल स्तरीय समिति (संघ) के नवीन कार्यालय का उद्घाटन आज ग्राम पंचायत मऊ, विकास खंड सिधौली, जनपद सीतापुर में आयोजित समारोह में भारतीय जनता पार्टी मंडल अध्यक्ष अमित कुमार सिंह एवं खंड विकास अधिकारी राजेश कुमार तिवारी द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि स्वयं सहायता समूह ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने, स्वरोजगार को बढ़ावा देने तथा सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने महिलाओं से अधिकाधिक संख्या में स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने और सामूहिक आजीविका गतिविधियों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में ब्लॉक मिशन प्रबंधक विपिन वर्मा, ब्लॉक मिशन प्रबंधक चारू लता, समिति की अध्यक्षा माया देवी, उपाध्यक्षा गीता, कोषाध्यक्ष मांडवी मिश्रा, सचिव दामिनी मौर्य, उप सचिव सीमा, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि कैलाश, अखिलेश राज, प्रीति, कविता, अनीता, इंद्र कुमारी, सोनिया सहित स्वयं सहायता समूहों की सैकड़ों महिलाओं एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का सफल आयोजन ब्लॉक मिशन प्रबंधन इकाई, सिधौली (सीतापुर) द्वारा किया गया।

फास्ट न्यूज

क्रेडिट कार्ड से बिना ओ.टी.पी के पैसे निकले

कानपुर। कानपुर में साइबर ठगों ने सिविल लाइंस निवासी समरजीत सिंह के क्रेडिट कार्ड से 20 मिनट के अंदर 8 बार में 8.85 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। मोबाइल पर मैसेज आने पर उन्हें घटना की जानकारी हुई। पीड़ित की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। समरजीत ने बताया कि उनके पास आईसीआईसीआई बैंक का क्रेडिट कार्ड है।

रीलबाज ने लड़की के लिए भाई को मार डाला

प्रयागराज। प्रयागराज के रीलबाज युवक ने अपने ही ममेरे भाई की हत्या कर दी। दोनों एक ही लड़की से प्यार करते थे। ममेरा भाई लड़की को छोड़ने के लिए तैयार नहीं था। इसके बाद उसने भाई को रास्ते से हटाने की साजिश रची। 23 जुलाई को शिवम राय अपने ममेरे भाई सुमित उर्फ साहिल को बहाने से गंगा किनारे रेलवे लाइन के पास ले गया। उसे अपने मोबाइल में फोटो-वीडियो दिखाने लगा। इसी दौरान शिवम ने झोले में रखा हथौड़ा निकाला और सुमित के सिर पर हमला कर हत्या कर दी। फिर पहचान मिटाने के लिए पेट्रोल डालकर आग लगा दी।

दुष्कर्म-पॉक्सो केस में दोषी को 10 साल का कठोर कारावास

बलरामपुर। बलरामपुर पुलिस को 'ऑपरेशन कनविक्शन' अभियान के तहत एक बड़ी सफलता मिली है। एक विशेष न्यायालय ने वर्ष 2018 के दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट मामले में दोषी अभियुक्त को 10 साल के कठोर कारावास और 10 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। गर्भपात कराने, आपराधिक षड्यंत्र और पॉक्सो एक्ट की गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। महत्वपूर्ण परिणाम माना जा रहा है।

यूपी के संत चढ़ावा चोरी के नाटक पर भड़के

कहा- राहुल गांधी-पप्पू यादव ने सनातन का अपमान किया

तमसा संकेत, एजेंसी

संसद परिसर में प्रदर्शन

लखनऊ/वाराणसी/नई दिल्ली। संसद परिसर में राम मंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर विपक्ष के प्रदर्शन पर यूपी का संत समाज भड़क गया है। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सांसद राहुल गांधी और पप्पू यादव पर सनातन का अपमान करने का आरोप लगाया और उनसे सिर झुकाकर माफी मांगने को कहा। दरअसल, मानसून सत्र के 10वें दिन यानी शुक्रवार को चढ़ावा चोरी को लेकर सपा-कांग्रेस ने संसद परिसर में प्रदर्शन किया। बिहार की पूर्णिया सीट से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव साधु बनकर संसद पहुंचे। हाथ में दानपेटी लेकर मकर द्वार के पास जमीन पर बैठ गए। जैसे ही सपा सांसद डिंपल यादव, धर्मेंद्र यादव और अवधेश प्रसाद दानपेटी में चढ़ावा डालने की कोशिश करते, पप्पू यादव तुरंत उसे छीनकर अपनी जेब में रख लेते। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भी दानपेटी में रुपए डाले। थोड़ी देर बाद पप्पू यादव पेटी लेकर भागने लगे। सपा सांसदों ने उन्हें पकड़ लिया। उनसे दानपेटी छीन ली। उनकी पिटाई करने का नाटक किया। रअसल, मानसून सत्र के 10वें दिन यानी शुक्रवार को चढ़ावा चोरी को लेकर सपा-कांग्रेस ने संसद परिसर में प्रदर्शन किया। बिहार की पूर्णिया सीट से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव साधु बनकर संसद पहुंचे।

गंगा में डूबी छात्रा का शव दूसरे दिन मिला

कानपुर में गुदार घाट से 3 किमी दूर बरामद, 4 सहेलियां नहाने पहुंची थीं

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर, बिठूर सावन के पहले दिन बिठूर के गुदार घाट पर गंगा स्नान के दौरान डूबी छात्रा का शव दूसरे दिन शुक्रवार दोपहर करीब 2:30 बजे गुदार घाट से लगभग तीन किलोमीटर दूर बरामद हुआ। गुरुवार को चार छात्राएं बिना घर में बताए गंगा स्नान करने बिठूर पहुंची थीं। स्नान के दौरान चारों तेज बहाव में बहने लगीं। घाट पर कॉस्मेटिक की दुकान चलाने वाले दुकानदार रामजी द्विवेदी ने साहस दिखाते हुए तीन छात्राओं को बचा लिया, लेकिन एक छात्रा मुस्कान (16) तेज धारा में बह गई थी। जिसका शव आज शुक्रवार को बरामद हुआ है। मूल रूप से कन्नौज निवासी अनुष्का कल्याणपुर के बारासिरोही क्षेत्र में किराये का कमरा लेकर अपनी सहेलियों रिया कुशवाहा और रिया कश्यप के साथ रहकर पढ़ाई कर रही थी। बुधवार

रात उसकी मामा की बेटी मुस्कान भी कमरे पर आ गई थी। चारों ने बिठूर घूमने जाने का कार्यक्रम बनाया। गुरुवार सुबह करीब 11 बजे सभी ऑटो से बिठूर के गुदार घाट पहुंचीं। दोपहर करीब एक बजे वे गंगा में स्नान करने उतरीं। स्नान करते-करते चारों गहराई की ओर चली गईं और तेज बहाव में फंसकर बहने लगीं। डीसीपी वेस्ट एस.एम. कासिम आबिदी ने बताया कि सुबह उनके और एसडीएम द्वारा घाटों की सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया गया था और संबंधित पुलिसकर्मियों को सख्त निर्देश दिए गए थे। उन्होंने कहा कि छात्रा के डूबने की सूचना मिलने के बाद यह पता किया जा रहा है।

दुकानदार ने लगाई गंगा में छलांग

घाट पर मौजूद कॉस्मेटिक दुकानदार रामजी द्विवेदी ने छात्राओं को डूबते देखा तो बिना देर किए गंगा में छलांग लगा दी। उनके पीछे घाट पर रहने वाले चार अन्य युवकों ने भी बचाव के लिए नदी में छलांग लगा दी। कुछ देर के लिए घाट पर अफरा-तफरी मच गई।

तेज धारा के कारण छात्राओं के साथ बचाव में उतरे युवक भी बहने लगे। इसी बीच स्थानीय लोगों ने नाव आगे बढ़ाकर युवकों को सुरक्षित बाहर निकाला। रामजी द्विवेदी ने अनुष्का, रिया कुशवाहा और रिया कश्यप को किसी तरह बाहर निकाल लिया, लेकिन मुस्कान तेज बहाव में लापता हो गई। घटना से कुछ घंटे पहले ही डीसीपी वेस्ट एस.एम. कासिम आबिदी और एसडीएम अभिनव सिंह ने बिठूर के घाटों का निरीक्षण किया था।

अधिकारियों ने साफ-सफाई, बैरिकेडिंग, चेतावनी बिंदु के आगे किसी को स्नान न करने देने, रस्से बांधने और सीसीटीवी निगरानी के सख्त निर्देश दिए थे।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि अधिकारियों के जाते ही सुरक्षा व्यवस्था ढीली पड़ गई।

जिस स्थान पर छात्राएं स्नान कर रही थीं, वहां न तो पर्याप्त बैरिकेडिंग थी और न ही पुलिस की सक्रिय निगरानी दिखाई दी।

पुलिस और गोताखोरों ने शुरू किया सर्च अभियान

घटना की सूचना स्थानीय लोगों ने 112 नंबर पर दी। सूचना मिलते ही बिठूर पुलिस मौके पर पहुंची और गोताखोरों की मदद से जाल डालकर छात्रा की तलाश शुरू कराई। देर रात तक खोजबीन जारी रही, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। शुक्रवार दोपहर करीब 2:30 बजे गुदार घाट से लगभग तीन किलोमीटर दूर छात्रा का शव बरामद कर लिया गया।

कानपुर किडनी कांड-डॉक्टर पति-पत्नी समेत 4 आरोपियों को जमानत

अधिवक्ता बोले- दपंती ट्रांसप्लांट गैंग का हिस्सा नहीं, 4 महीने से जेल में हैं

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर के चर्चित किडनी ट्रांसप्लांट मामले में आरोपी डॉक्टर पति-पत्नी समेत 4 लोगों को जमानत मिल गई है। आहूजा हॉस्पिटल के संचालक डॉ. सुरजीत सिंह आहूजा और उनकी पत्नी डॉ. प्रीति आहूजा की जमानत अर्जी 30 जुलाई को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मंजूर कर ली। जस्टिस विवेक वर्मा की सिंगल बेंच ने यह आदेश दिया। इससे करीब 2 महीने पहले जिला अदालत ने दोनों की जमानत अर्जी खारिज कर दी थी। कोर्ट ने आहूजा दंपती की पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता कमलेश पाठक ने तर्क दिया कि दपंती ट्रांसप्लांट गैंग का हिस्सा नहीं हैं। उनकी कोई आपराधिक पृष्ठभूमि भी नहीं है। 4 महीने से जेल में हैं। इसलिए बेल की मंजूरी दी जाए। वहीं, प्रिया हॉस्पिटल के संचालक नरेंद्र सिंह

और मेडलाइफ हॉस्पिटल से जुड़े राजेश कुमार को भी जिला अदालत से जमानत मिल चुकी है। हालांकि, जमानत मिलने के बाद भी चारों अभी कानपुर सेंट्रल जेल में हैं। जमानत की औपचारिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही उनकी रिहाई होगी। दरअसल, 31 मार्च 2026 को रावतपुर थाने में अवैध किडनी ट्रांसप्लांट की शिकायत मिली थी। इसके बाद पुलिस ने मसवानपुर के आहूजा हॉस्पिटल में छापा मारा। जांच में सामने आया कि बिहार के मुजफ्फरपुर निवासी पारुल तोमर को छात्र आयुष कुमार की किडनी ट्रांसप्लांट की गई थी। ऑपरेशन के बाद पारुल तोमर को प्रिया हॉस्पिटल और किडनी देने वाले आयुष कुमार को मेडलाइफ हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। डीसीपी वेस्ट ने उस समय बताया था कि मामले में संगठित गिरोह (ऑर्गनाइज्ड क्राइम) से जुड़ी धाराएं भी जोड़ी गई थीं। पुलिस ने करीब 1000 पन्नों की चार्जशीट कोर्ट में दाखिल की थी। इसमें एसीएमओ डॉ. रमित रस्तोगी, हैलट अस्पताल और राम मनोहर लोहिया अस्पताल के पांच-पांच डॉक्टर, कल्याणपुर सीएचसी प्रभारी, 20 पुलिसकर्मी, पारुल तोमर, उनके पति विकास तोमर, भाई दिव्यांक तोमर समेत 40 लोगों को गवाह बनाया गया था। पुलिस जांच में यह भी सामने आया था कि आयुष और पारुल दो-दो बार ट्रेन से कानपुर आए थे।

नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत

जनपद स्तरीय प्रतियोगिताओं में युवाओं ने दिया जागरूकता का संदेश

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार तथा माय भारत के संयुक्त तत्वावधान में संचालित नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत अभियान के अंतर्गत जनपद स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन आईआईएमटी विश्वविद्यालय, गंगानगर में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। आईआईएमटी विश्वविद्यालय के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा नशा मुक्त एवं विकसित भारत के निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. धीरेन्द्र कुमार, निदेशक, आईआईएमटी इंजीनियरिंग कॉलेज तथा विशिष्ट अतिथि डॉ. लाखविंदर सिंह, डीन एक्टिविटीज, आईआईएमटी

विश्वविद्यालय ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य के लिए युवाओं का नशे से दूर रहना और समाज में

सकारात्मक बदलाव लाना अत्यंत आवश्यक है। प्रतियोगिताओं में जनपद के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों ने गीत, समूह नृत्य, एकल नृत्य, नुक्कड़ नाटक, एकल अभिनय, भाषण, स्लोगन लेखन और स्लैम पोएट्री सहित विभिन्न विधाओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने अपनी रचनात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से नशा उन्मूलन का प्रभावशाली संदेश दिया। जिला युवा अधिकारी यशवंत सिंह यादव ने प्रतिभागियों को माय भारत पोर्टल पर उपलब्ध अवसरों की जानकारी दी तथा सभी को नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारतर की शपथ दिलाई। उन्होंने विजेता प्रतिभागियों को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं भी दीं। प्रतियोगिता में विभिन्न विधाओं के प्रथम स्थान प्राप्त प्रतिभागी अब लखनऊ में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में मेरठ जनपद का प्रतिनिधित्व करेंगे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में आईआईएमटी विश्वविद्यालय सहित सभी सहयोगी संस्थाओं एवं आयोजकों का सराहनीय योगदान रहा।

वारदात : कहती थी- भाई होगा तो राखी बाधूंगी, गोरखपुर में सिपाही ने रेप करके मार डाला

बेटी का अंतिम-संस्कार, 3 घंटे बाद मां को बेटा हुआ

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर में सिपाही ने जिस 10 साल की बच्ची को श्मशान में रेप करके मार डाला था, उसका गुरुवार शाम 6 बजे अंतिम संस्कार हुआ। इसके 3 घंटे बाद मां ने एक बेटे को जन्म दिया। मां-बहनों ने बच्चे का चेहरा देखा तो फूट-फूटकर रोने लगीं। कहने लगीं कि बच्ची की इच्छा थी कि इस बार रक्षा बंधन पर अपने भाई को राखी बांधे, लेकिन इससे पहले ही दरिंदे ने उसे छीन लिया। सिपाही की पत्नी ने कहा- उसने जो किया है, वह माफी के लायक नहीं है। उसने मेरा सिर शर्म से झुका दिया। अब कहां मुंह दिखाऊंगी? हमारी भी बेटी है। अब दोबारा कभी उसके साथ नहीं रहूंगी। 28 जुलाई की रात जिला अस्पताल से सिपाही ने बच्ची का किडनैप किया था। 200 CCTV कैमरे खंगालने के बाद 29

जुलाई को पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था। गुरुवार को उसकी निशानदेही पर 36 घंटे बाद पुलिस ने शव बरामद किया। परिवार ने 50 लाख की आर्थिक मदद, एक सदस्य को नौकरी और आरोपी को फांसी देने की मांग की है। SSP डॉ. कौस्तुभ ने बताया कि आरोपी सिपाही को बर्खास्त कर दिया गया है। उसके खिलाफ पॉक्सो एक्ट समेत अन्य धाराओं में FIR दर्ज की गई है। उस पर रासुका (NSA) भी लगाया जाएगा। पुलिस ने आरोपी सिपाही

सिपाही की पत्नी को घटना का पता चला तो सिर पकड़कर बैठ गई

सिपाही की पत्नी बेटी-बेटे के साथ गाजीपुर के मोलनापुर गांव में रहती है। पत्नी को जब इस घटना की जानकारी मिली तो उसने सिर पकड़ लिया। पत्नी बोली कि उनकी आदतों की वजह से वह ससुराल छोड़कर बच्चों के साथ मायके में रहती है। पुलिस ने आरोपी सिपाही को सिविल लाइन इलाके से गिरफ्तार किया। सिपाही कस्टडी में लंगड़ाता हुआ नजर आया।

को सिविल लाइन इलाके से गिरफ्तार किया। सिपाही कस्टडी में लंगड़ाता हुआ नजर आया। बच्ची के पिता मूलरूप से आजमगढ़ के रहने वाले हैं।

बहन कहती थी- इस बार रक्षा बंधन में मेरा भी भाई आएगा

बड़ी बहन ने बताया कि मेरी छोटी बहन मां से कहती थी कि इस बार रक्षा बंधन में मेरा भी भाई आएगा। उसको राखी बांधकर अपना सपना पूरा करूंगी। आज वह होती तो सबसे अधिक खुश होती। वह हमेशा मां से भाई की डिमांड करती थी। वह हमेशा कहती थी कि पढ़-लिखकर डॉक्टर बनूंगी और मां का इलाज खुद करूंगी।

इधर, पुलिस जांच में पता चला कि रेप के बाद सिपाही अभिषेक यादव (35) ने बच्ची के हाथ पीठ के पीछे बांधकर जिंदा नदी में फेंक दिया। उसका सिर पत्थर से टकराया। डूबने और सांस फूलने से उसकी मौत हुई। पोस्टमॉर्टम में पता चला कि बच्ची के साथ बर्बरता की गई। पैर, गर्दन सहित शरीर की 5 हड्डियां टूटी मिलीं।

प्रियंका गांधी के 'गोमूत्र विशेषज्ञ' बयान पर विवाद

सीएसजेएमयू कुलपति विनय पाठक बोले- वैज्ञानिकों को राजनीति से दूर रखें

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। लोकसभा में एंटी-पेपर लीक बिल पर चर्चा के दौरान IIT मद्रास के निदेशक प्रो. वी. कामकोटि को लेकर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा की टिप्पणी पर विवाद खड़ा हो गया है। CSJMU कानपुर के कुलपति प्रो. विनय पाठक ने बयान पर आपत्ति जताते हुए इसे वैज्ञानिकों और शिक्षाविदों का अपमान बताया है। प्रो. विनय पाठक ने वीडियो जारी कर कहा कि वैज्ञानिक किसी राजनीतिक दल से जुड़े नहीं होते, बल्कि वे देश की ज्ञान परंपरा का हिस्सा होते हैं। उन्होंने सभी दलों से ऐसे बयानों की निंदा करने और प्रियंका गांधी से बयान वापस लेने

की मांग की। दरअसल, लोकसभा में पब्लिक एग्जामिनेशंस अमेंडमेंट बिल पर चर्चा के दौरान प्रियंका गांधी ने प्रो. वी. कामकोटि की कमेटी में सदस्यता पर सवाल उठाते हुए उन्हें गोमूत्र विशेषज्ञ कहकर तंज कसा था। उनके इस बयान के बाद वैज्ञानिक और शिक्षा जगत में प्रतिक्रियाएं सामने आने लगी हैं। प्रो. विनय पाठक ने कहा कि देश के वैज्ञानिकों और शिक्षाविदों का सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने सदन में कमेटी को लेकर जो टिप्पणी की कि उसमें गोमूत्र के एक्सपर्ट शामिल हैं, उससे देश के वैज्ञानिक और शिक्षाविद आहत हैं। भारत की परंपरा में विद्वानों को हमेशा सम्मान दिया गया है। हमारे उपनिषदों और ज्ञान परंपरा में भी कहा गया है कि 'विद्वान सर्वत्र पूज्यते'। वैज्ञानिक और शिक्षाविद किसी राजनीतिक दल से जुड़े नहीं होते, बल्कि वे पूरे देश और समाज के लिए काम करते हैं। प्रो. पाठक ने कहा कि प्रो. वी. कामकोटि देश के प्रतिष्ठित वैज्ञानिक हैं और IIT मद्रास जैसे महत्वपूर्ण संस्थान के निदेशक हैं।

सुलतानपुर के 25 स्कूलों में शुरू सहज योग अभियान

तीन दिन चलेगा कार्यक्रम, 25 स्कूलों की टीमें ले रहीं हिस्सा

कार्यक्रम

तमसा संकेत, एजेंसी

सुलतानपुर। जिले में सहज योग ट्रस्ट और उत्तर प्रदेश शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय मेगा स्कूल आत्मसाक्षात्कार कार्यक्रम का शुभारंभ गुरुवार को हुआ। यह विशेष अभियान शनिवार तक जिले के विभिन्न विद्यालयों में संचालित किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों, शिक्षकों और आम नागरिकों को सहज योग के माध्यम से आत्मसाक्षात्कार, मानसिक शांति और सकारात्मक जीवन शैली से परिचित कराना है। इस अभियान में देश और प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए सहज योग ट्रस्ट के स्वयंसेवक सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। उन्हें 25 अलग-अलग टीमों में विभाजित किया गया है, जो जिले के सरकारी एवं गैर-सरकारी विद्यालयों में पहुंचकर विद्यार्थियों और शिक्षकों को आत्मसाक्षात्कार की प्रक्रिया से परिचित करा रहे हैं। प्रत्येक टीम में तीन से पांच प्रशिक्षित सदस्य शामिल हैं, जो सहज योग की विधि और उसके महत्व की जानकारी भी दे रहे हैं। कार्यक्रम के तहत महुअरिया रोड स्थित राम लखन मैरिज प्वाइंट में सामूहिक आत्मसाक्षात्कार सत्र का आयोजन किया गया। इसमें शहर के गणमान्य नागरिकों, शिक्षकों, विद्यार्थियों और बड़ी संख्या में आम लोगों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने ध्यान और आत्मसाक्षात्कार की प्रक्रिया का अनुभव किया तथा सहज योग के सिद्धांतों को समझा। 'सहज योग' शब्द संस्कृत के दो शब्दों—'सह' अर्थात साथ और 'ज' अर्थात जन्मा हुआ—से मिलकर बना है। इसका अर्थ है जन्म से प्राप्त होने वाला स्वाभाविक योग या मिलन।

1970 में हुई थी सहज योग की स्थापना

सहज योग की स्थापना वर्ष 1970 में परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी ने की थी। उनके द्वारा विकसित इस ध्यान प्रणाली का आज देश-विदेश के अनेक देशों में अभ्यास किया जाता है। सहज योग ट्रस्ट के सदस्यों के अनुसार यह एक सरल और स्वचालित ध्यान प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से व्यक्ति आत्मिक शांति, मानसिक संतुलन और सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव कर सकता है।

मेडिकल सेशन में बताए गए स्वास्थ्य लाभ

कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण मेडिकल सेशन रहा। इसमें जिले के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. ए. के. सिंह और डॉ. जे. पी. सिंह ने सहज योग और स्वास्थ्य के बीच संबंध पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि नियमित ध्यान और मानसिक संतुलन से तनाव, चिंता और कई मानसिक समस्याओं में राहत मिल सकती है। साथ ही उन्होंने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने में ध्यान और आत्मिक संतुलन की भूमिका को भी महत्वपूर्ण बताया। सहज योग एक आध्यात्मिक ध्यान पद्धति है, जिसके माध्यम से व्यक्ति सहज रूप से आत्म-साक्षात्कार और आत्म-ज्ञान का अनुभव करता है। मान्यता के अनुसार यह शक्ति जागृत होकर सिर के ऊपरी भाग तक पहुंचती है, जिससे व्यक्ति सामूहिक चेतना और आंतरिक शांति का अनुभव करता है।

गुरु पूर्णिमा पर प्रभु प्रिय धाम में आध्यात्मिक संगम

नशा मुक्त भारत अभियान का लिया संकल्प

तमसा संकेत, संवाददाता

बलदेव। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, बलदेव स्थित प्रभु प्रिय धाम में आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर राजयोग, ईश्वरीय ज्ञान और दिव्य संस्कारों का संदेश ग्रहण किया। बलदेव केंद्र प्रभारी राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी सीमा दीदी ने कहा कि सभी मनुष्य आत्माओं के गुरु सतगुरु परमपिता परमात्मा शिव हैं, जो मनुष्य को अज्ञान और विकारों से निकालकर सत्य, शांति और पवित्रता के मार्ग पर ले जाते हैं। उन्होंने कहा कि गुरु वह है जो जीवन में सत्य का प्रकाश फैलाए और आत्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त करे। उन्होंने माता, पिता, शिक्षक और जीवन में प्रेरणा देने वाले प्रत्येक व्यक्ति को गुरु का स्वरूप बताते हुए

कहा कि निराकार परमात्मा ही सच्चे सतगुरु हैं, जो राजयोग के माध्यम से आत्मा को परमात्मा से जोड़ते हैं।

ब्रह्माकुमारी रेनू दीदी ने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर सभी से गुरु दक्षिणा के रूप में एक बुराई छोड़ने और एक श्रेष्ठ गुण अपनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि परमात्मा का संदेश आत्म-परिवर्तन के माध्यम से समाज परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त करता है। कार्यक्रम के दौरान 6 से 20 अगस्त तक चलने वाले ₹नशा मुक्त भारत₹ अभियान की जानकारी देते हुए सभी उपस्थित लोगों ने नशा न करने और दूसरों को भी नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया।

फास्ट न्यूज़

अलीगढ़ के होटल में नाबालिग बच्ची मिली

अलीगढ़। अलीगढ़ के थाना क्वार्सी क्षेत्र की पटवारी नगला चौकी अंतर्गत मंजूरगढ़ी इलाके में शुक्रवार देर रात एक होटल से नाबालिग बच्ची मिलने का मामला सामने आया है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और बच्ची को सुरक्षित संरक्षण में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार, स्थानीय लोगों ने होटल में एक नाबालिग बच्ची के होने की सूचना दी थी।

मथुरा में नगर आयुक्त ने किया निरीक्षण

मथुरा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की तैयारियों को लेकर मथुरा नगर निगम ने व्यवस्थाएं तेज कर दी हैं। शुक्रवार तड़के करीब 4 बजे नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने भूतेश्वर से मसानी तक पैदल निरीक्षण कर सड़क और जल निकासी व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों और कार्यदायी संस्था को 10 अगस्त तक सभी मरम्मत कार्य गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए। नगर आयुक्त ने भूतेश्वर अंडरपास का विशेष रूप से निरीक्षण किया। यह क्षेत्र लंबे समय से जलभराव की समस्या से प्रभावित रहा है।

कांवड़ समिति और डीजे संचालकों के साथ प्रशासन की बैठक

मुरादाबाद। मुरादाबाद में प्रशासन ने कांवड़ यात्रा को लेकर तैयारियां मुकम्मल कर ली हैं। कावड़ की ऊंचाई और डीजे की आवाज को तय करने के लिए प्रशासन ने कांवड़ समितियों और डीजे संचालकों के साथ मीटिंग की है। पुलिस अधीक्षक ट्रैफिक सुभाष चंद्र गंगवार सहित अन्य प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति में कांवड़ समिति, शिविर संचालकों, डीजे संचालकों के साथ बैठक आयोजित की गई।

प्रांतीय आह्वान पर माध्यमिक शिक्षकों का प्रदर्शन, मुख्यमंत्री के नाम 14 सूत्रीय मांगपत्र भेजा

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ (पाण्डेय गुट) के प्रांतीय आह्वान पर शुक्रवार को जनपद के अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के सैकड़ों शिक्षकों ने जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) कार्यालय पर प्रदर्शन किया। इसके बाद मुख्यमंत्री के नाम संबोधित 14 सूत्रीय मांगपत्र माध्यमिक वित्त एवं लेखा अधिकारी शैलेंद्र सिंह के माध्यम से प्रेषित किया गया। प्रदेशीय उपाध्यक्ष डॉ. सुरेंद्र शर्मा, जिला अध्यक्ष मनोज शर्मा, जिला मंत्री शिवम शर्मा तथा कोषाध्यक्ष नम्रता निरंजन के नेतृत्व में आयोजित प्रदर्शन में शिक्षकों ने कहा कि लंबे समय से लंबित समस्याओं के समाधान न होने से शिक्षकों में असंतोष व्याप्त है। उन्होंने सरकार से शिक्षकों के हितों की रक्षा करते हुए शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने की मांग की। ज्ञापन में पुरानी पेंशन योजना की बहाली, शिक्षा सेवा अधिनियम-2023 में सेवा सुरक्षा संबंधी प्रावधानों की पुनर्स्थापना, तदर्थ शिक्षकों का नियमितीकरण, एनपीएस की विसंगतियों का समाधान, राज्य कर्मचारियों की भांति त्रिस्तरीय प्रोन्नति, व्यावसायिक एवं कंप्यूटर शिक्षकों को पूर्ण शिक्षक का दर्जा, राजकीय शिक्षकों की सेवानिवृत्ति आयु 62 वर्ष किए जाने, 50 प्रतिशत महंगाई भत्ते को मूल वेतन में समायोजित कर वेतन निर्धारण, रिक्त प्रधानाचार्य पदों पर शीघ्र नियुक्ति, कैशलेस चिकित्सा योजना का दायरा बढ़ाकर सेवानिवृत्त, मदरसा, आईसीएसई एवं सीबीएसई शिक्षकों को शामिल करने, संस्कृत विद्यालयों में रिक्त पदों की पूर्ति तथा वर्ष 2014 के बाद नियुक्त शिक्षकों को सामूहिक बीमा एवं सामाजिक सुरक्षा का लाभ देने सहित कुल 14 मांगें शामिल हैं।

प्रदर्शन के उपरांत माध्यमिक वित्त एवं लेखा अधिकारी शैलेंद्र सिंह को ज्ञापन सौंपा गया। इसकी प्रतिलिपि माध्यमिक शिक्षा मंत्री, अपर मुख्य सचिव (माध्यमिक शिक्षा) तथा शिक्षा निदेशक (माध्यमिक) को भी भेजी गई। संजय वर्मा, विनोद कुमार शुक्ला, डॉ. राकेश कुमार राही, विश्वजय सिंह, दिमान सिंह, संग्राम सिंह, श्रीनिवास शर्मा, पारस, सत्य प्रकाश सारस्वत, चतुर शिरोमणि शर्मा, ललित शर्मा, प्रशांत शर्मा, करण बाबू, रवि कुमार, गोपाल सिंह, संजीव सिंह, सुशील भारद्वाज, प्रियंका शर्मा, शालिनी शर्मा, रेखा, सीमा मिश्रा, गीता यादव, दीपक शर्मा, शिवानी, ऊष्मा शर्मा, अरुण झा, अंजलि वर्मा, प्रीति पांडे, विपिन, विष्णु कानोरिया, विजय शर्मा, पंकज कुमार सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

कांवड़ यात्रा के लिए मुरादाबाद में ट्रैफिक प्लान लागू, दिल्ली हाईवे पर भारी वाहनों की एंट्री बंद

आज रात से 3 अगस्त तक दिल्ली हाईवे पर ट्रक -डीसीएम और ट्रैक्टर ट्रॉली नहीं जा सकेंगे

तमसा संकेत, एजेंसी

मुरादाबाद। सावन माह में कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या और उनकी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मुरादाबाद पुलिस ने जिले की यातायात व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया है। गुरुवार देर रात से दिल्ली हाईवे पर भारी वाहनों की आवाजाही पूरी तरह प्रतिबंधित कर दी गई है। यह विशेष ट्रैफिक व्यवस्था सावन के पहले सोमवार तक प्रभावी रहेगी। पुलिस प्रशासन का कहना है कि कांवड़ यात्रा के दौरान हाईवे पर लाखों श्रद्धालुओं की आवाजाही रहती है, इसलिए दुर्घटनाओं और जाम जैसी स्थिति से बचने के लिए यह निर्णय लिया गया है। मेरठ और गाजियाबाद की ओर जाने वाले ट्रक, कंटेनर और अन्य भारी वाहनों को वैकल्पिक मार्ग से भेजा जा रहा है।

> **एसपी ट्रैफिक सुभाष चंद्र गंगवार ने बताया कि फिलहाल यह डायवर्जन केवल ट्रक, कंटेनर और अन्य भारी वाहनों के लिए लागू किया गया है। उन्होंने कहा कि कांवड़ियों की संख्या लगातार बढ़ रही है और प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। यदि आने वाले दिनों में श्रद्धालुओं की संख्या और बढ़ती है या यातायात का दबाव अधिक होता है, तो हल्के वाहनों के लिए भी अलग से डायवर्जन व्यवस्था लागू की जा सकती है।**

सुरक्षित और सुगम कांवड़ यात्रा प्रशासन की प्राथमिकता

प्रशासन का कहना है कि सावन के पहले सोमवार को बड़ी संख्या में कांवड़ियों के गुजरने की संभावना है। इसे देखते हुए यातायात और सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और आवश्यकता के अनुसार ट्रैफिक व्यवस्था में समय-समय पर बदलाव भी किए जा सकते हैं।

जगह-जगह तैनात किया गया पुलिस बल

कांवड़ यात्रा को लेकर पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी कर दी है। दिल्ली हाईवे, कांठ रोड और अन्य प्रमुख मार्गों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। ट्रैफिक पुलिस के साथ स्थानीय पुलिसकर्मी भी लगातार यातायात की निगरानी कर रहे हैं।

डीआईओएस कार्यालय पर शिक्षकों का धरना

पुरानी पेंशन-तदर्थ शिक्षकों के विनियमितीकरण की मांग, सड़क पर उतरने की चेतावनी

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ (पाण्डेय गुट) के नेतृत्व में शुक्रवार को जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओ-एस) कार्यालय पर शिक्षकों ने एक दिवसीय विशाल धरना-प्रदर्शन किया। संगठन के पदाधिकारियों और शिक्षकों ने अपनी 14 सूत्रीय मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन करते हुए डीआईओएस के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। इस दौरान शिक्षकों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो प्रदेशभर में व्यापक आंदोलन किया जाएगा। धरने को संबोधित करते हुए संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष भोज कुमार ने कहा कि सरकार लगातार शिक्षकों की समस्याओं की अनदेखी कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षा विभाग में भ्रष्टाचार बढ़ रहा है और शिक्षकों के प्रति विभाग का रवैया नकारात्मक बना हुआ है, जिससे शिक्षकों में असंतोष और आक्रोश बढ़ता जा रहा है। वक्ताओं ने कहा कि तदर्थ शिक्षकों की नौकरी असुरक्षित हो गई है और विभाग का रवैया उनके प्रति संवेदनहीन है। उन्होंने वर्ष 2000 से पहले और बाद में नियुक्त तदर्थ शिक्षकों का शीघ्र विनियमितीकरण किए जाने की मांग उठाई।

इन प्रमुख मांगों को रखा सामने

धरने के दौरान शिक्षकों ने अपनी 14 सूत्रीय मांगों में प्रमुख रूप से पुरानी पेंशन योजना (OPS) की बहाली, 1982 अधिनियम के अनुसार पदोन्नति नियम लागू करने, वित्तविहीन शिक्षकों को सेवा सुरक्षा और सम्मानजनक मानदेय देने, एनपीएस से ओपीएस में आए शिक्षकों की जमा राशि ब्याज सहित जीपीएफ में स्थानांतरित करने की मांग की। इसके अलावा कैशलेस चिकित्सा योजना का विस्तार, एसीपी का लाभ, व्यावसायिक एवं कंप्यूटर शिक्षकों को पूर्ण दर्जा, राजकीय शिक्षकों की सेवानिवृत्ति आयु 60 से बढ़ाकर 62 वर्ष करने, महंगाई भत्ता (डीए) का एरियर और नगर प्रतिकर भत्ता भुगतान, संस्कृत विद्यालयों में रिक्त पदों पर नियुक्ति तथा वर्ष 2014 के बाद नियुक्त शिक्षकों को बीमा सुरक्षा उपलब्ध कराने की भी मांग उठाई गई।

बड़े आंदोलन की दी चेतावनी

शिक्षक नेताओं ने कहा कि यदि सरकार ने उनकी मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं लिया तो संगठन आगे की रणनीति बनाकर प्रदेशव्यापी आंदोलन शुरू करेगा। उन्होंने कहा कि शिक्षक अपने अधिकारों के लिए सड़क पर उतरने से पीछे नहीं हटेंगे।

दीक्षांत समारोह से पहले खंदारी कैंपस में तैयारी तेज

शिवाजी मंडपम पर विशेष फोकस, रंगाई-पुताई से लेकर टाइल्स तक बदल रहे

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय का 92वां दीक्षांत समारोह 3 अगस्त को आयोजित होगा। समारोह को लेकर खंदारी कैंपस में युद्धस्तर पर तैयारियां चल रही हैं। रंगाई-पुताई, सफाई, मरम्मत और साज-सज्जा का काम तेजी से किया जा रहा है। दीवारों पर आकर्षक वॉल पेंटिंग बनाई जा रही हैं।

परिसर में लगे पुराने और टूटे टाइल्स को हटाकर नए टाइल्स लगाए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस बार किसी भी तरह की चूक न हो इसके लिए विशेष सतर्कता बरती है। पिछले 91वें दीक्षांत समारोह में शिवाजी मंडपम के एसी काम नहीं कर रहे थे। भीषण गर्मी के कारण छात्र-छात्राओं और अभिभावकों को काफी परेशानी हुई थी। इस बार उसी गलती को दोहराने से बचने के लिए शिवाजी मंडपम की तैयारियों पर खास जोर दिया जा रहा है।

एसी, लाइट, साउंड और बैठने की व्यवस्था को दुरुस्त किया जा रहा है। हालांकि अभी भी कैंपस में कई खामियां नजर आ रही हैं। कई विभागों के शौचालय गंदे पड़े हैं। कुछ शौचालय पूरी तरह टूटे हुए हैं। दीक्षांत में तीन दिन ही शेष हैं। ऐसे में कर्मचारियों की टीम दिन-रात सफाई और मरम्मत में जुटी है। इस बार के दीक्षांत में कुल 79,832 छात्रों को उपाधि प्रदान की जाएगी। इसमें स्नातक, परास्नातक, पीएचडी और प्रोफेशनल कोर्स के छात्र शामिल हैं। समारोह में 64 मेधावी छात्रों को 88 पदकों से सम्मानित किया जाएगा।

टॉपर्स को गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल दिए जाएंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए हैं। प्रवेश द्वार पर चेकिंग, पार्किंग, पेयजल और चिकित्सा की व्यवस्था की जा रही है। वीआईपी और अतिथियों के लिए अलग से बैठने की व्यवस्था होगी।

पृष्ठ 01 का शेष...

लोकसभा में ...

12 बजे दोबारा शुरू होने पर लोकसभा में जन्म-मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) बिल, 2026 ध्वनि मत से पास हुआ। लोकसभा और राज्यसभा तीन अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी गई हैं। वहीं, कांग्रेस ने केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह के संसद में दिए गए बयान को लेकर उनके खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव पेश किया है। सिंह ने कहा था कि जंतर-मंतर और संसद मार्च में प्रदर्शनकारियों पर फायरिंग नहीं हुई थी। केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने लोकसभा में जन्म-मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) बिल, 2026 पारित करने का प्रस्ताव रखा। बिल ध्वनि मत से पास हुआ। इसके बाद विपक्ष के हंगामे के कारण लोकसभा तीन अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी गई। किरेन रिजिजू ने कहा कि हम चाहते हैं कि भविष्य में ऐसा न हो। आप चर्चा में शामिल नहीं होते और बाहर जाकर कहते हैं कि सरकार चर्चा नहीं कराती। अगला बिल लेकर आएंगे और आप हंगामा करेंगे तो अच्छा नहीं होगा। चर्चा करें, हंगामा ना करें। बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर ने गुरुवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन और सदन की अवमानना का नोटिस सौंपा है। अनुराग का आरोप है कि राहुल गांधी ने को गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ असंसदीय और अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया। गंभीर व बेबुनियाद आरोप लगाए। दरअसल, बुधवार को राहुल ने पेपर लीक संशोधन बिल पर बोलते हुए गृह मंत्री अमित शाह पर कई गंभीर आरोप लगाए थे। राहुल के भाषण के एक हिस्से को स्पीकर ओम बिरला ने कार्यवाही से हटा दिया था। गुरुवार को वंदे मातरम बिल राज्यसभा के बाद लोकसभा से भी पास हो गया है। इस दौरान काफी हंगामा हुआ। स्पीकर ने इसके बाद सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। वहीं, पेपर लीक संशोधन बिल गुरुवार को राज्यसभा में भी पास हो गया। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बिल पेश किया जिसके बाद इस पर 7 घंटे बहस हुई। कलकत्ता हाईकोर्ट के जज थे। उन्होंने 1790 मनु स्मृति का अनुवाद किया। आधुनिक युग के शेड्यूल कास्ट का मनु काल के वैदिक शूद्र के साथ कोई कनेक्शन नहीं है। विलियम जोन्स से पहले की 2 और मनुस्मृति कहीं अवेलेबल नहीं हैं। मासिर-ए-आलमगीरी, शाहनामा, जहांगीरनामा, तुजुक-ए-बाबरी, फुतूहात-ए-फिरोजशाही और तहकीके हिंद भी उपलब्ध हैं। इसलिए मैंने कहा कि मुझे प्रमाण चाहिए, क्योंकि जो खड़गे ने कहा- उसे अंग्रेजों ने बनाया है। विलियम जोन्स से पहले का कोई टेक्स्ट अवेलेबल नहीं हैं। फैक्ट चेकः विलियम जोन्स ने मनुस्मृति का पहला अंग्रेजी अनुवाद 1794 में 'Institutes of Hindu Law, or the Ordinances of Menu' नाम से पब्लिश किया था। यह किताब आज भी सार्वजनिक डोमेन में है। इसे गूगल बुक्स, इंटरनेट आर्काइव और ब्रिटिश लाइब्रेरी की वेबसाइटों पर मुफ्त में पढ़ा जा सकता है।

सुधांशु त्रिवेदी ने आगे कहा कि बाबा साहेब अंबेडकर कि किताब 'हू वर द शुद्राज' के चैप्टर के पहले पेज के पैराग्राफ 3 में लिखा है कि आधुनिक अनुसूचित जातियों और प्राचीन वैदिक काल के शूद्रों के बीच कोई सीधा संबंध नहीं है। फैक्ट चेकः अंबेडकर ने लिखा है कि आधुनिक शूद्र और प्राचीन वैदिक काल के शूद्र एक ही वर्ग नहीं थे। प्राचीन शूद्र मूल रूप से क्षत्रिय थे, जिन्हें ब्राह्मणों से विवाद के बाद 'उपनयन संस्कार' से वंचित कर दिया गया, जिससे वे चौथे वर्ण में गिर गए। वे आज की अनुसूचित जातियों से अलग थे।

'मेरे पिता घर आए ...

हमला पुलिसवालों पर भी हुआ है।' वीडियो फुटेज के साथ बताया गया, 'प्रदर्शनकारियों को सुबह समझाया कि सुरक्षा कारणों की वजह से उन्हें संसद मार्च की इजाजत नहीं दी जा सकती। इसके बाद भी प्रदर्शनकारी जंतर-मंतर पर भारी संख्या में इकट्ठा हुए। मंच पर मौजूद लोगों ने बार-बार लोगों को आने के लिए कहा। पुलिस ने उन्हें फिर समझाया, लेकिन भीड़ संसद की तरफ बढ़ने लगी।' 'उन्होंने बैरिकेड्स तोड़े और पुलिस पर पत्थर फेंके। इसके बाद भीड़ पटेल चौक तक पहुंच गई, जहां पुलिस पर फिर से पत्थर चले और जूते फेंके गए। वहां भी बैरिकेड्स तोड़ दिए। इसके बाद प्रदर्शनकारियों को संसद तक पहुंचने से रोकने के लिए दिल्ली पुलिस को कार्रवाई करनी पड़ी। पुलिस ने लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले चलाए। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने कई पुलिसवालों को बुरी तरह पीट दिया।' CJP ने आरोप लगाया था कि 20 जुलाई के 'संसद चलो' मार्च में और उसके बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज, आंसू गैस और पैलेट्स गन का इस्तेमाल किया। पार्टी ने कई छात्रों के घायल होने का दावा करते हुए पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन में घायल दिल्ली पुलिस और सुरक्षा बलों के परिजन ने शुक्रवार को 25 मिनट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। मंच पर 4 लोग मौजूद थे परिजन ने कहा, '20 तारीख के बाद नेरेटिव गढ़ा जा रहा है कि छात्रों को पुलिस ने पीटा, लेकिन प्रोटेस्ट का सच कुछ और ही है। हमला पुलिसवालों पर भी हुआ है।' वीडियो फुटेज के साथ बताया गया, 'प्रदर्शनकारियों को सुबह समझाया कि सुरक्षा कारणों की वजह से उन्हें संसद मार्च की इजाजत नहीं दी जा सकती। इसके बाद भी प्रदर्शनकारी जंतर-मंतर पर भारी संख्या में इकट्ठा हुए। मंच पर मौजूद लोगों ने बार-बार लोगों को आने के लिए कहा। पुलिस ने उन्हें फिर समझाया, लेकिन भीड़ संसद की तरफ बढ़ने लगी।' 'उन्होंने बैरिकेड्स तोड़े और पुलिस पर पत्थर फेंके। इसके बाद भीड़ पटेल चौक तक पहुंच गई, जहां पुलिस पर फिर से पत्थर चले और जूते फेंके गए। वहां भी बैरिकेड्स तोड़ दिए। इसके बाद प्रदर्शनकारियों को संसद तक पहुंचने से रोकने के लिए दिल्ली पुलिस को कार्रवाई करनी पड़ी। पुलिस ने लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले चलाए। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने कई पुलिसवालों को बुरी तरह पीट दिया।' CJP ने आरोप लगाया था कि 20 जुलाई के 'संसद चलो' मार्च में और उसके बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज, आंसू गैस और पैलेट्स गन का इस्तेमाल किया। पार्टी ने कई छात्रों के घायल होने का दावा करते हुए पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि संसद मार्च के दौरान छात्रों के साथ बर्बरता की गई। उन्होंने दावा किया कि प्रदर्शनकारियों पर पैलेट गन चलाई गई, शॉक बैटन का इस्तेमाल हुआ और कील लगी लाठियों से छात्रों को पीटा गया। सरकार बोली- शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई नहीं क केंद्र सरकार ने कहा था कि पुलिस ने किसी शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारी के खिलाफ बल प्रयोग नहीं किया। कार्रवाई केवल उन लोगों के खिलाफ की गई, जिन्होंने बैरिकेड तोड़ने और सुरक्षा घेरा पार करने की कोशिश की। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने छात्रों पर बर्बरता के आरोपों को गलत बताया और कहा कि प्रदर्शनकारियों पर कोई गोली नहीं चलाई गई। वहीं, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने राहुल गांधी के आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए उन्हें वापस लेने की मांग की। दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी का प्रदर्शन 6 जून को शुरू हुआ था। शुरुआत में आंदोलन की मुख्य मांग केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और परीक्षा व्यवस्था में सुधार की थी। बाद में यह आंदोलन देशभर में फैला और 20 जुलाई को 'संसद चलो' मार्च के दौरान पुलिस-प्रदर्शनकारियों की झड़प के बाद और तेज हो गया था। इसके बाद आरोप लगा कि प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव किया, जिससे लाठीचार्ज किया गया। 25 जुलाई 2026 को सरकार ने मांगें मान ली थीं। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद CJP ने 49 दिन से चल रहा जंतर-मंतर का धरना समाप्त खत्म कर दिया।

सीमा ने डिस्कस थ्रो में ब्रॉन्ज जीता, भारत 10वें नंबर पर, 17 मेडल जीते

कॉमनवेल्थ गेम्स में लवप्रीत को वेटलिफ्टिंग में सिल्वर

शानदार

नई दिल्ली, एजेंसी

वेटलिफ्टर लवप्रीत सिंह ने कॉमनवेल्थ गेम्स में आठवें दिन भारत को सिल्वर मेडल दिला दिया है। वहीं, महिलाओं के डिस्कस थ्रो इवेंट में सीमा कालीरमन ने ब्रॉन्ज हासिल किया।

लवप्रीत ने गुरुवार देर रात वेटलिफ्टिंग की 110 kg वेट कैटेगरी में 388 किलो वजन उठाया। उन्होंने स्नैच में 176 और क्लीन एंड जर्क में 212 किलो वजन उठाकर मेडल अपने नाम किया।

दूसरी ओर सीमा ने अपने तीसरे प्रयास में 58.65 मीटर डिस्कस थ्रो किया। उनके ब्रॉन्ज जीतने के बाद भारत के 17 मेडल हो गए हैं। इनमें 3 गोल्ड, 10 सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज शामिल हैं। भारत मेडल टैली में 10वें स्थान पर है।

27 साल की सीमा कालीरमन ने मां बनने के बाद गेम्स में शानदार वापसी की है। सीमा ने अपने चौथे, पांचवें और छठे प्रयास में फाउल किया, लेकिन 58.65 मीटर के थ्रो ने उन्हें पोडियम तक पहुंचा दिया। इस इवेंट में जमैका की सामंथा हॉल (61.66 मीटर) ने गोल्ड और कनाडा की जूलिया टंक्स (60.67 मीटर) ने सिल्वर मेडल हासिल किया। भारत की निधि रानी 53.19 मीटर के थ्रो के साथ चौथे स्थान पर रहीं। खेल के साथ सीमा भिवानी के चौधरी बंसी लाल यूनिवर्सिटी से फिजिकल एजुकेशन में Ph.D. भी कर रही हैं। घुटने की गंभीर चोट के कारण उन्हें तीन साल से ज्यादा समय तक खेल से दूर रहना पड़ा, लेकिन लंबी रिहैबिलि-टेशन के बाद उन्होंने शानदार वापसी की।

13 साल की उम्र में लवप्रीत ने गांव के कुछ युवाओं को वेटलिफ्टिंग करते देखा। यहीं से इस खेल के प्रति उनका लगाव बढ़ा। सीमित संसाधनों के बीच उन्होंने स्थानीय कोच की देखरेख में अभ्यास शुरू किया। साल 2017 में उन्हें पटियाला के स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के नेशनल कैंप में जगह मिली। यहीं से उनका अंतरराष्ट्रीय करियर शुरू हुआ।

खेतों में काम किया, दादा के साथ सब्जियां बेचीं

लवप्रीत सिंह का जन्म पंजाब के अमृतसर जिले में हुआ। परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। इसीलिए वे खेतों में काम करते थे, दादा के साथ सब्जियां बेचते थे। लवप्रीत घर की उस घोड़ी की देखभाल भी करते थे, जिसे शादी समारोहों में किराए पर भेजा जाता था। पिता दर्जी थे, लेकिन उन्होंने बेटे को सिलाई के काम में लगाने के बजाय खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

लवप्रीत महज एक किलो वेट से गोल्ड चूके

लवप्रीत ने स्नैच में 176 किलो वजन उठाकर कॉमनवेल्थ गेम्स का नया रिकॉर्ड बनाया। वे गोल्ड मेडल जीतने के बेहद करीब थे, लेकिन न्यूजीलैंड के डेविड एंड्रयूज से महज एक किलो के अंतर से पिछड़ गए।

न्यूजीलैंड के लिटी ने क्लीन एंड जर्क में गेम्स रिकॉर्ड के साथ कुल 389 किग्रा वजन उठाकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। उन्होंने स्नैच में 166 और क्लीन एंड जर्क में 223 किग्रा वजन उठाया। इंग्लैंड के एंड्रयू ग्रिफिथ ने 356 किलो (165 + 191) के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता।

2027 वनडे वर्ल्डकप के 12 होस्ट शहरों का ऐलान

साउथ अफ्रीका में 8 वेन्यू, जिम्बाब्वे-नामीबिया भी मेजबान

जोहानसबर्ग, एजेंसी

ICC ने 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए 12 मेजबान शहरों का ऐलान कर दिया है। टूर्नामेंट 4 अक्टूबर से 21 नवंबर तक साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाएगा।

साउथ अफ्रीका के 8 वेन्यू पर मुकाबले होंगे। इनमें जोहानसबर्ग, सेंचुरियन, डरबन, ग्केबेर्हा, कुगोम्पो सिटी, केपटाउन, पार्ल और ब्लोमफोंटेन शहर होंगे। वहीं जिम्बाब्वे के हरारे, बुलावायो और विक्टोरिया फॉल्स और नामीबिया की राजधानी विंडहोक में भी मुकाबले खेले जाएंगे।

फाइनल मुकाबला जोहानसबर्ग के वांडरर्स या केपटाउन के न्यूलैंड्स स्टेडियम में हो सकता है।

2023 वनडे वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया ने फाइनल में मेजबान भारत को 6 विकेट से हराकर खिताब जीता था। 2023 वनडे

वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया ने फाइनल में मेजबान भारत को 6 विकेट से हराकर खिताब जीता था।

वनडे वर्ल्ड कप 24 साल बाद अफ्रीकी में लौट रहा है। इससे पहले 2003 में साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और केन्या ने टूर्नामेंट की मेजबानी की थी। इसके बाद साउथ अफ्रीका 2007 टी-20 वर्ल्ड कप, 2009 चैंपियंस ट्रॉफी और 2023 महिला टी-20 वर्ल्ड कप की मेजबानी कर चुका है। नामीबिया पहली बार किसी सीनियर ICC टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। हालांकि इसी साल उसने जिम्बाब्वे के साथ मिलकर अंडर-19 वर्ल्ड कप का आयोजन किया था।

हॉकी इंडिया की नई नारंगी जर्सी पर विवाद

खिलाड़ियों से सलाह लेने के दावे को टीम मेंबर ने नकारा, दिग्गजों ने नाराजगी जताई

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय हॉकी टीम की नई जर्सी को लेकर विवाद बढ़ता नजर आ रहा है। एक रिपोर्ट में एक खिलाड़ी और हॉकी इंडिया के एक अधिकारी के हवाले से दावा किया गया है कि जर्सी के रंगमें बदलाव को लेकर खिलाड़ियों से सलाह नहीं ली गई थी। अगले महीने होने वाले हॉकी वर्ल्ड कप के लिए हॉकी इंडिया ने 27 जुलाई को नीली जर्सी की जगह नारंगी जर्सी लॉन्च की है। इस बदलाव के बाद कई पूर्व हॉकी खिलाड़ियों और दिग्गजों ने नाराजगी जाहिर की है।

हॉकी इंडिया ने विरोध के जवाब में गुरुवार को कहा कि जर्सी का रंग बदलने का फैसला खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ से सलाह-मशविरा के बाद लिया गया है। हालांकि, द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट में भारतीय टीम के एक खिलाड़ी के हवाले से कहा गया है कि उनसे इस संबंध में न तो राय ली गई और न ही सलाह मांगी गई।

वहीं, हॉकी इंडिया की कार्यकारी समिति के एक सदस्य ने भी दावा किया कि उन्हें जर्सी में बदलाव की जानकारी नहीं थी। वे ऐसी किसी आधिकारिक बैठक का हिस्सा नहीं रहे, जिसमें इस मुद्दे पर चर्चा हुई हो।

1980 ओलिंपिक में गोल्ड मेडल जीतने वाली भारतीय टीम के कप्तान वासुदेवन भास्करन ने भी सवाल उठाया है। भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कप्तान विरेन रासकिन्हा ने इस फैसले का विरोध किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि टीम को भगवा रंग पहनाया जाना शर्मनाक है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने भारतीय हॉकी टीम की जर्सी का रंग नीले से नारंगी किए जाने की आलोचना की।

जेवलिन फाइनल में पाकिस्तान के अरशद, श्रीलंकाई रुमेश से चुनौती बॉक्सिंग में भारत के 10 सेमीफाइलिस्ट

नीरज चोपड़ा कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड के लिए उतरेंगे

ग्लासगो, एजेंसी

कॉमनवेल्थ गेम्स के आठवें दिन भारत के नीरज चोपड़ा जेवलिन थ्रो फाइनल में गोल्ड मेडल के लिए उतरेंगे। भारत की ओर से रोहित यादव और यशवीर सिंह भी फाइनल में हिस्सा लेंगे।

नीरज के सामने पाकिस्तान के मौजूदा ओलिंपिक चैंपियन अरशद नदीम और श्रीलंका के रुमेश पाथिराजे की चुनौती होगी।रुमेश ने क्वालिफिकेशन राउंड में 82.84 मीटर का थ्रो कर पहला स्थान हासिल किया था, जबकि अरशद सातवें स्थान पर रहे थे।

भारत के 10 बॉक्सर आज सेमीफाइनल मुकाबले में उतरेंगे। टोक्यो ओलिंपिक मेडलिस्ट बॉक्सर लवलीना बोरगोहेन भी सेमीफाइनल खेलेंगी। अरशद को एकमात्र सफलता पेरिस ओलिंपिक 2024 में मिली थी। तब उन्होंने 92.97 मीटर के ओलिंपिक रिकॉर्ड के साथ गोल्ड मेडल जीता था, जबकि नीरज ने 89.45 मीटर के साथ सिल्वर मेडल हासिल किया था।

नीरज और अरशद की पहली भिड़ंत 2016 साउथ एशियन गेम्स में हुई थी। इसके बाद दोनों 11 टूर्नामेंट में आमने-सामने आ चुके हैं। इनमें 10 बार नीरज ने अरशद को पीछे छोड़ा है।

नीरज चोपड़ा ने 2025 दोहा डायमंड लीग में 90.23 मीटर का थ्रो कर नेशनल रिकॉर्ड बनाया था। वे 90 मीटर का आंकड़ा पार करने वाले भारत के इकलौते जेवलिन थ्रोअर हैं।

टोक्यो ओलिंपिक 2020 में उन्होंने 87.58 मीटर के साथ गोल्ड मेडल जीता था। इसके अलावा नीरज वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2023 और एशियन गेम्स 2023 में गोल्ड, जबकि पेरिस ओलिंपिक 2024 में सिल्वर मेडल जीत चुके हैं। बॉक्सिंग में भारत के 10 मुक्केबाज सेमीफाइनल मुकाबले खेलेंगे। इनमें प्रीति पवार, अंकुश पंघाल, जैस्मिन लांबोरिया, अरुंधति चौधरी और जदुमणि सिंह के मुकाबले शाम तक होंगे। जीत के साथ ये खिलाड़ी अपने-अपने वर्ग के फाइनल में पहुंच जाएंगे।

क्वालिफिकेशन में पांचवें स्थान पर रहे नीरज

क्वालिफिकेशन राउंड में नीरज ने पहले प्रयास में 76.28 मीटर और दूसरे प्रयास में 79.61 मीटर का थ्रो किया। इसके बाद उन्होंने तीसरा थ्रो नहीं किया। नीरज 79.61 मीटर के साथ पांचवें स्थान पर रहे और फाइनल में पहुंच गए। भारत के ही रोहित यादव 78.37 मीटर के साथ नौवें और यशवीर सिंह 78.36 मीटर के साथ दसवें स्थान पर रहे। दोनों भारतीय खिलाड़ियों ने भी फाइनल के लिए क्वालिफाई किया।

मनोरंजन

79 साल की हुई मुमताज

अमिताभ के लिए छोड़ी मर्सिडीज, शम्मी कपूर का प्रपोजल ठुकराया

मुंबई, एजेंसी

70-80 के दशक की मशहूर एक्ट्रेस मुमताज आज 79 साल की हो चुकी हैं। उस दौर में मुमताज की वो पॉपुलैरिटी थी कि उनके फिल्मों में पहने गए कपड़े ट्रेंड बन जाते थे। खूबसूरती ऐसी थी कि यश चोपड़ा, शम्मी कपूर जैसे लोग भी उन्हें शादी का प्रस्ताव देने से कतराते नहीं थे, लेकिन काम और करियर के लिए जुनूनी मुमताज हर प्रस्ताव ठुकरा देती थीं। हालांकि एक समय ऐसा भी था जब कुछ बी-ग्रेड फिल्मों में काम करने की वजह से शशि कपूर, जीतेंद्र जैसे बड़े एक्टर्स ने उनके साथ फिल्में करने से इनकार कर दिया था। फिल्मों में काम मिलने से घर की आर्थिक स्थिति सुधरी और मुमताज मां के साथ वाल्केश्वर स्थित बिल्डिंग में आकर रहने लगीं। उनके ठीक ऊपर लता मंगेशकर का घर था, जहां 16MM पर फिल्में दिखाई जाती थीं। एक ही इंडस्ट्री से होने के चलते लता नन्हीं मुमताज को काफी लाड़ देती थीं। जब भी घर में फिल्म शुरू करतीं तो मुमताज को भी घर बुला लेतीं। लता उन्हें गोद में बैठाकर फिल्म दिखातीं और वो जल्द ही सो जाती थीं। लेकिन जाते हुए हर बार कहतीं- आंटी जब भी फिल्म देखो, मुझे भी बुला लेना।

मयूर के साथ शादी के बाद ली गई मुमताज की तस्वीर।

लता मंगेशकर की गोद में बैठकर देखीं फिल्में

31 जुलाई 1947 में मुमताज का जन्म हैदराबाद के ड्रायफ्रूट वेंडर अब्दुल समाज अख्सरी के घर हुआ। परिवार ईरान से ताल्लुक रखता था। पिता इमामों के खानदान से थे। मुमताज महज एक साल की थीं, जब माता-पिता अलग हो गए। मां ने ही फिल्मों में बतौर जूनियर आर्टिस्ट काम कर मुमताज और बड़ी बहन मलका की अकेले परवरिश की। कुछ समय बाद मां बॉम्बे आकर बसीं। मुमताज भी अक्सर उनके साथ सेट पर जातीं। सेट पर हंसती खेलती मुमताज को महज 5 साल की उम्र में बतौर बाल कलाकार फिल्म संसार में काम करने मिला।

सेट पर मिली मां की मौत की खबर, डायरेक्टर से पूछा- क्या मैं जा सकती हूं

दिन भर फिल्मों के सेट पर बिताते हुए जल्द ही उन्होंने परिवार की जिम्मेदारी उठानी शुरू कर दी। 12 की उम्र में उन्हें जमीन के तारे (1960) में कैरेक्टर रोल मिल गया।

इस फिल्म में उनकी परफॉर्मेंस देखने के बाद मशहूर डायरेक्टर वी.शांताराम ने उन्हें फिल्म स्त्री में अच्छा रोल दिया। एक दिन मुमताज फिल्म स्त्री के सेट पर पहुंचीं। मुमताज डांस का शॉट दे ही रही थीं कि घर से खबर आई- 'मां नहीं रहीं।'

13 साल की मुमताज चुप खड़ी हो गईं और थोड़ी देर बाद डायरेक्टर वी.शांताराम से कहा- 'क्या करूं अन्ना?'

वी.शांताराम हड़बड़ाए और कहा- 'तुम्हें जरूर जाना चाहिए।'

मुमताज तुरंत हैदराबाद के लिए रवाना हुईं। जनाजे में शामिल हुईं और अगले दिन ही फिर सेट पर आ गईं। इस पर मुमताज ने रेडियो नशा को दिए इंटरव्यू में कहा था, उस जमाने में कोई मर भी जाए और अगर प्रोड्यूसर का सेट लगा है, तो आपको जाना ही पड़ेगा। आप प्रोड्यूसर को कंगाल नहीं कर सकते, क्योंकि उनके बाद दूसरे प्रोड्यूसर का सेट लगना है।

'बिरयानी खाते हुए सलमान सिर में लगवा रहे थे इंजेक्शन'

प्रोड्यूसर शैलेन्द्र सिंह बोले- तब पीआरपी हेयर ट्रीटमेंट की प्रोसेस इललीगल थी

नई दिल्ली। सलमान खान के करीबी रहे फिल्म प्रोड्यूसर शैलेन्द्र सिंह ने हाल ही में बताया कि कई साल पहले उन्होंने सलमान को बिरयानी खाते हुए हेयर ट्रीटमेंट करवाते देखा था।

साइरस ब्रोचा से बातचीत में शैलेन्द्र ने बताया कि उस समय हर सोमवार रात उनकी सलमान से मुलाकात होती थी। उन्होंने कहा कि सलमान डाइनिंग टेबल पर खाना खाते समय सामने लगे शीशे में खुद को देखते रहते थे। रसोई में एक छोटी टेबल और उसके सामने शीशा लगा था, जिससे बातचीत भी शीशे के जरिए होती थी। शैलेन्द्र ने आगे बताया, ₹अचानक एक शख्स कमरे में आया। उसने दस्ताने पहने, एक सिरिंज निकाली और सलमान की स्कैल्प में इंजेक्शन लगाने लगा। उस समय सलमान आराम से बिरयानी खा रहे थे। हम दोनों अब भी शीशे के जरिए बात कर रहे थे और मैं यह सब देखकर हैरान था। मुझे समझ ही नहीं आ रहा था कि आखिर हो क्या रहा है। मैंने पूछा, 'भाई, यह क्या चल रहा है?' इस पर सलमान ने कहा, 'स्टार बनने की एक कीमत चुकानी पड़ती है, भाई' और वह खाना खाते हुए सामान्य तरीके से बातचीत करते रहे। बाद में उन्हें पता चला कि यह PRP (प्लेटलेट-रिच प्लाज्मा) थेरेपी थी, जिसका इस्तेमाल बालों की ग्रोथ बढ़ाने के लिए किया जाता है।

लंदन में मिस्ट्री गर्ल के साथ दिखे आर्यन खान

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान एक बार फिर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में आ गए हैं। लंदन में आर्यन को एक मिस्ट्री गर्ल के साथ देखा गया, जिनकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए हैं। यूजर्स ने इस मिस्ट्री गर्ल की पहचान आर्टिस्ट विनी तकायर के रूप में की है। दोनों को लंदन के एक कसीनो से बाहर निकलते हुए देखा गया, जिसके बाद से दोनों के डेटिंग की चर्चा शुरू हो गई है। हालांकि, इस पर दोनों की तरफ से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। तस्वीरों में आर्यन खान कैजुअल लुक में नजर आ रहे हैं। वे लंदन के एक कसीनो से बाहर निकलते दिख रहे हैं। उनके ठीक पास में विनी तकायर खड़ी हैं, जिन्होंने ऑल-ब्लैक आउटफिट पहना हुआ है। दोनों के एक साथ कसीनो से बाहर निकलने के बाद ही फैंस के बीच उनके रिश्ते को लेकर तरह-तरह की अटकलें लगाई जाने लगी हैं।

सोनू सूद ने बच्चों के साथ मनाया जन्मदिन

केक काटकर बांटी खुशियां, ऑफिस के बाहर उमड़े फैंस

जालंधर, एजेंसी

बॉलीवुड अभिनेता और समाजसेवी सोनू सूद ने अपना जन्मदिन सादगी के साथ मनाया। मुंबई स्थित उनके कार्यालय के बाहर सुबह से ही बड़ी संख्या में प्रशंसक उन्हें बधाई देने पहुंचे। सोनू सूद ने अपने चाहने वालों से मुलाकात कर उनके प्यार और शुभकामनाओं के लिए आभार जताया। जन्मदिन का सबसे खास पल तब रहा, जब उन्होंने जरूर-तमंद बच्चों के साथ केक काटकर खुशियां साझा कीं। सोनू सूद के जन्मदिन पर उनके कार्यालय के बाहर उत्सव जैसा माहौल नजर आया। अभिनेता ने सभी का अभिवादन स्वीकार किया, उनसे बातचीत की और कई लोगों के साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं। फैंस का उत्साह

दिखाता है कि सोनू सूद केवल एक अभिनेता ही नहीं, बल्कि लोगों के बीच अपनी अलग पहचान रखने वाले शख्स भी हैं। इस जन्मदिन की सबसे भावुक तस्वीरें उस समय सामने आईं, जब सोनू सूद ने जरूरतमंद बच्चों के साथ केक काटकर खुशियां साझा कीं। उन्होंने बच्चों के साथ समय बिताया और उन्हें अपने खास दिन का हिस्सा बनाया। यह पहल उनके सामाजिक सरोकारों और लोगों के प्रति संवेदनशीलता को दर्शाती है।

यूरोप में एंट्री के लिए हजारों लोग तैरकर पहुंचे थे, सेना ने रोका तो भगदड़ मची

स्पेन में मोरक्को के 18 प्रवासी मारे गए

भगदड़

सिउटा, एजेंसी

अफ्रीकी देश मोरक्को की तरफ से स्पेन में जबरन घुसने की कोशिश के दौरान गुरुवार सुबह भीषण भगदड़ मच गई। इसमें कम से कम 18 अफ्रीकी प्रवासियों की मौत हो गई, जबकि स्पेनिश और मोरक्को के 100 से ज्यादा सैनिक घायल हो गए। दरअसल बेहतर जीवन की तलाश में अफ्रीकी और एशियाई देशों के प्रवासी यूरोपीय देशों में घुसना चाहते हैं। सिउटा मोरक्को के उत्तरी तट पर स्थित एक स्पेनिश शहर है। यहां घुसने के बाद प्रवासियों को यूरोपीय संघ के क्षेत्र में एंट्री मिल जाती है।

न्यूज एजेंसी AP के मुताबिक सीमा पर तैनात फोर्स को चकमा देने

के लिए करीब 3,000 प्रवासियों ने सुबह का वक्त चुना। तब सैनिकों की चौकसी कम होती है। सीमा पर पुलिस की घेराबंदी और बाड़ के संकरे रास्तों के कारण अफरा-तफरी मच गई। लोग एक-दूसरे के ऊपर गिर पड़े, जिससे दबने, दम घुटने और समुद्र में डूबने के कारण यह हादसा हुआ।

मोरक्को का कहना है कि स्यूटा और मेलिला भी उसे वापस मिलने चाहिए। ये दोनों शहर अफ्रीकी महाद्वीप में हैं और मोरक्को का हिस्सा हैं।

स्पेन का कहना है कि स्यूटा पर उसका कब्जा 350 साल से है। तब मोरक्को भी नहीं बना था। स्यूटा पर पुर्तगाल ने 1415 में कब्जा किया था। 1668 में पुर्तगाल में इसे स्पेन को दे दिया।

स्यूटा से ही यूरोप में घुसने की सबसे ज्यादा कोशिश क्यों होती है?

स्यूटा भले ही भौगोलिक तौर पर अफ्रीका में है, लेकिन यह स्पेन और यूरोपीय संघ (EU) का हिस्सा है। यानी अगर कोई प्रवासी स्यूटा में घुस जाता है, तो वह यूरोप की सीमा तक पहुंच जाता है। यही वजह है कि हजारों लोग हर साल यहां से यूरोप में दाखिल होने की कोशिश करते हैं। स्यूटा और इसके करीब मेलिला ऐसे दो शहर हैं, जहां अफ्रीका और यूरोप की सीधी जमीनी सीमा मिलती है। इसलिए बेहतर नौकरी और अच्छी जिंदगी की तलाश में मोरक्को समेत कई अफ्रीकी देशों के लोग सबसे ज्यादा इन्हीं रास्तों को चुनते हैं। इस सप्ताह की शुरुआत में ही करीब 1,500 प्रवासी स्यूटा में प्रवेश कर चुके थे। इसके बाद गुरुवार को हालात अचानक बिगड़ गए। स्यूटा में घुसने के लिए कुछ लोग समुद्र में तैरकर सीमा पार करते हैं, कुछ छोटी नावों का सहारा लेते हैं। वहीं बड़ी संख्या में लोग सीमा पर लगी ऊंची बाड़ पर चढ़कर या उसे काटकर अंदर जाने की कोशिश करते हैं। हालांकि, सीमा पर लगे सेंसर, निगरानी टावर और स्पेनिश सुरक्षाबल अक्सर उन्हें पकड़ लेते हैं।

मोरक्को से आए कुछ प्रवासी गुरुवार को स्पेन के स्यूटा शहर से वापस मोरक्को लौटते हुए। वे स्पेन की सीमा में घुस नहीं पाए।

प्रवासियों को रोकने के लिए स्पेन ने सेना भेजी

स्पेन सरकार के अधिकारी फर्नांडो रोड्रिगेज कॉन्ट्रेरास ने कहा कि शुरुआती अनुमान के मुताबिक हजारों, संभवतः कई दस हजार लोग एक साथ मोरक्को से स्यूटा में घुस आए। हालात को देखते हुए स्पेन सरकार ने सीमा पर सुरक्षा बढ़ा दी है। इसके तहत सेना की अतिरिक्त टुकड़ियां तैनात की गई हैं, जबकि हवाई और नौसैनिक निगरानी भी बढ़ाई गई है। समुद्र के रास्ते आने वाले प्रवासियों पर नजर रखने के लिए गोताखोरों की टीमों को भी तैनात किया गया है।

जेल में बंद गैंगस्टर उजैर बलोच के भाई को गोली मारी

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के कराची स्थित ल्यारी में 'धुरंधर गैंग' का खौफ देखने को मिल रहा है। जहां अज्ञात हमलावरों ने जेल में बंद पीपुल्स अमन कमेटी के प्रमुख और गैंगस्टर उजैर बलोच के भाई जुबैर बलूच को गोली मार दी।

यह घटना गुरुवार शाम की है, जब ज्ञात हमलावरों ने जुबैर पर अंधाधुंध फायरिंग की। इस दौरान उसके सीने और पेट में कई गोलियां लगीं, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया इस गोलीबारी में दो राहगीर भी घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

डॉन खबर के मुताबिक, दक्षिण के उप महानिरीक्षक (डीआईजी) सैयद असद रजा ने बताया कि जुबैर को 2012 में सात आपराधिक मामलों में गिरफ्तार किया गया था और जनवरी 2025 में रिहा कर दिया गया था।

उन्होंने आगे बताया कि जुबैर

ल्यारी में अपने आवास के बाहर बैठा था, तभी मोटरसाइकिल पर सवार हथियारबंद संदिग्धों ने उन पर गोली चलाई और मौके से फरार हो गए। हमले के वक्त हमलावरों ने अपने चेहरे ढके हुए थे। हालांकि, पास के एक दुकानदार द्वारा जवाबी फायरिंग किए जाने के बाद हमलावर मौके से भाग निकले।

इलाके के एक सामाजिक कार्यकर्ता ने बताया कि जुबैर कुछ महीने पहले एक राजनीतिक पार्टी में शामिल हो गया था और उसने अपने इलाके में उसके झंडे फहराए थे।

डीआईजी ने आगे बताया कि पुलिस गिरोहों की आपसी प्रतिद्वंद्विता और व्यक्तिगत दुश्मनी सहित अलग-अलग एंगल से घटना की जांच कर रही है।

फास्ट न्यूज

स्पेन-मोरक्को की सीमा पर संकट

सेउटा। मोरक्को की सीमा से स्पेन के उत्तरी अफ्रीकी क्षेत्र सेउटा में गुरुवार को हजारों प्रवासी घुस आए। प्रवासियों ने बॉर्डर की बाड़ तोड़कर स्पेन में प्रवेश कर लिया, जिसके दौरान कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई। अब स्पेन ने इलाके में मोरक्को के साथ लगी सीमा पर शांति बनाए रखने का फैसला लिया है।

सेउटा के लोकल अधिकारियों ने मैड्रिड से इमरजेंसी मदद मांगी थी।

ईरान पर हमले रोकने वाला प्रस्ताव सीनेट में 49-50 वोट से गिरा

वाशिंगटन। अमेरिकी सीनेट में गुरुवार को ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई पर राष्ट्रपति की ताकत सीमित करने वाला एक अहम प्रस्ताव गिर गया। वोटिंग में यह प्रस्ताव 49-50 के बेहद करीबी अंतर से खारिज हो गया।

पेन्सिलवेनिया से रिपब्लिकन सीनेटर डेव मैकॉर्मिक इस वोटिंग में शामिल नहीं हुए। अगर वह वोट करते तो नतीजा बदल भी सकता था। इस प्रस्ताव का मकसद यह था कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के खिलाफ कोई भी नया हमला शुरू करने से पहले अमेरिकी संसद यानी कांग्रेस से मंजूरी लें।

यूएस में पढ़ाई के बाद नौकरी करना पड़ेगा महंगा

नई दिल्ली। अमेरिका से डिग्री हासिल कर वहां करियर बनाने का सपना देख रहे लाखों भारतीय छात्रों को बड़ा झटका लग सकता है। दरअसल, पढ़ाई पूरी करने के बाद दिए जाने वाले 'ऑप्शनल प्रैक्टिकल ट्रेनिंग' (OPT) वर्क परमिट पर ट्रंप प्रशासन 100,000 डॉलर (95 लाख रुपये) का शुल्क लागू करने की योजना बना रहा है।

साउथ कोरिया के शेयर बाजार में 18% की रिकॉर्ड तेजी

सैमसंग और एसके हायनिक्स के शेयर 23% से ज्यादा चढ़े

सीओल/वॉशिंगटन, एजेंसी

साउथ कोरिया के शेयर बाजार कोस्पी में शुक्रवार को 18% की रिकॉर्ड तेजी आई है। यह कोस्पी के इतिहास में एक दिन में प्रतिशत के हिसाब से दर्ज की गई अब तक की सबसे बड़ी बढ़त है।

ग्लोबल लेवल पर टेक्नोलॉजी शेयरों में जारी रिकवरी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) से जुड़ी कंपनियों में निवेशकों की दोबारा लौटती दिलचस्पी से यह शानदार उछाल दर्ज किया गया। इससे पहले तीन दिनों तक मार्केट में टेक शेयरों में भारी बिकवाली का दौर रहा था।

बाजार की इस तेजी में सेमीकंडक्टर (चिप) बनाने वाली कंपनियों का सबसे बड़ा योगदान रहा। साउथ कोरिया की दिग्गज कंपनी SK हायनिक्स और सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयरों में 23-23% से भी ज्यादा का उछाल

दर्ज किया गया। इसके अलावा ताइवान की प्रमुख चिप निर्माता कंपनी ताइवान सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कंपनी (TSMC) के शेयर भी 10% तक चढ़े। ये तीनों कंपनियां MSCI एशिया पैसिफिक इक्विटीज इंडेक्स में सबसे ज्यादा योगदान देने वाली कंपनियां बनकर उभरीं।

एशियाई बाजारों में आई इस तेजी का असर इमर्जिंग मार्केट्स पर भी साफ दिखा। इमर्जिंग मार्केट इक्विटीज का MSCI इंडेक्स 6.1% तक चढ़ गया, जो पिछले 6 सालों में इसकी एक दिन की सबसे बड़ी तेजी है।

बोले- लाखों का कोर्स किया, अब वर्क परमिट से इनकार, अल्बर्टा प्रीमियर बोलीं- देश छोड़ना होगा

आंधी-बारिश में सड़कों पर 500 पंजाबी छात्र

जालंधर, एजेंसी

कनाडा में पोस्ट-ग्रेजुएशन वर्क परमिट (PGWP) के आवेदन खारिज होने के बाद करीब 1000 भारतीय छात्र संकट में हैं। ये पिछले 3 हफ्ते से अल्बर्टा के कैलगरी में प्रदर्शन कर रहे हैं, जबकि कुछ ने 29 जुलाई से भूख हड़ताल शुरू कर दी है। इनमें 500 छात्र पंजाबी हैं। जो बारिश, तेज धूप और खराब मौसम के बावजूद छात्र अल्बर्टा के कैलगरी में सड़कों पर डटे हुए हैं।

छात्रों का आरोप है कि जिन नियमों के तहत उन्होंने लाखों रुपए खर्च कर पढ़ाई पूरी की, अब उसी कोर्स को नॉन-क्रेडिबल बताकर वर्क परमिट से इनकार किया जा रहा है। इससे सैकड़ों छात्रों पर डिपोर्टेशन का खतरा मंडरा रहा है। इससे कई

लड़कियां डिप्रेशन में हैं, सिर पर परिवार का कर्ज है। उन्होंने कनाडा में पढ़ाई की है, इसलिए उन्हें वहां काम करने का मौका मिलना चाहिए। कनाडा सरकार और अल्बर्टा की प्रीमियर डेनियल स्मिथ ने कहा कि वह पोर्टेज कॉलेज को सीधे तौर पर फर्जी डिग्री देने वाला संस्थान नहीं कहेंगी, लेकिन उनका मानना है कि संस्थान ने स्थायी निवास (PR) को लेकर बढ़ा-चढ़ाकर जानकारी दी हो सकती है। उन्होंने कहा कि जिनके पास इंटरनेशनल वीजा, स्टूडेंट वैध स्टेटस या PR नहीं होगा, उन्हें देश छोड़ना होगा। एक छात्रा ने बताया कि वह 10 जुलाई 2024 को पहली बार कनाडा पहुंची थी। उसने पढ़ाई पूरी की और किसी भी सब्जेक्ट में फेल नहीं हुई। कॉलेज ने कहा था कि 15 मई 2024 से पहले रजिस्ट्रेशन कराने वाले छात्र पोस्ट-ग्रेजुएशन वर्क परमिट (PGWP) के पात्र होंगे। इसके बावजूद 16 जुलाई 2026 को उसका आवेदन खारिज कर दिया गया। रिजेक्शन में कारण बताया गया कि उसकी कनाडा में एंट्री 23 नवंबर 2025 की दर्ज है।

डिप्रेशन में छात्र, 250 फाइलें दो दिन में रिजेक्ट

अचानक PGWP रिजेक्ट होने से कई छात्र मानसिक तनाव में हैं। उनका कहना है कि परिवार ने कर्ज लेकर उन्हें कनाडा भेजा था। अब न नौकरी मिल रही है और न भविष्य साफ दिखाई दे रहा है। छात्रों के मुताबिक, अल्बर्टा के कैलगरी स्थित पोर्टेज कॉलेज के करीब 250 छात्रों की वर्क परमिट फाइलें केवल दो दिनों में खारिज कर दी गईं। उनका दावा है कि प्रभावित छात्रों की संख्या बढ़कर 2000 तक पहुंच सकती है।

आईआरसीसी के रिजेक्शन लेटर से बढ़ी परेशानी

छात्रों का कहना है कि उन्होंने इसी भरोसे के साथ इन कार्यक्रमों में दाखिला लिया था कि पढ़ाई पूरी होने के बाद वे पोस्ट-ग्रेजुएशन वर्क परमिट के पात्र होंगे। हालांकि बाद में कई छात्रों को इमिग्रेशन, रिफ्यूजी एंड सिटिजनशिप कनाडा (IRCC) की ओर से रिजेक्शन लेटर मिले। इसके बाद वे पढ़ाई पूरी करने के बावजूद कनाडा में काम करने के अधिकार से वंचित हो गए।

दावा : हमास इजराइल में शांति समझौता

हमास हथियार छोड़ेगा, इजराइली सेना पीछे हटेगी, नई फिलिस्तीनी सरकार गाजा को कंट्रोल करेगी

लंदन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को दावा किया कि गाजा में हमास और इजराइल के बीच एक बड़ा समझौता हुआ है। हमास और दूसरे सभी हथियारबंद संगठनों ने हथियार छोड़ने पर सहमति जताई है। इसके बाद इजराइली सेना भी गाजा से पीछे हटेगी।

ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा,ट्रम्प ने कहा,यह डील ट्रम्प 20-पॉइंट गाजा प्लान का सबसे अहम हिस्सा है और गाजा में स्थायी शांति और सुरक्षा की दिशा में बड़ा कदम है।

हमास का हथियार छोड़ना सबसे बड़ी चुनौती- हमास और दूसरे सभी हथियारबंद गुटों को चरणबद्ध तरीके से हथियार सौंपने होंगे। अगर कोई गुट नहीं माना, तो पूरा समझौता प्रभावित हो सकता है।

इजराइली सेना की वापसी चरणों

में होगी- हमास के हथियार छोड़ने की पुष्टि के बाद ही इजराइली सेना धीरे-धीरे गाजा से पीछे हटेगी। दोनों पक्षों को साथ-साथ कदम उठाने होंगे। नई सुरक्षा व्यवस्था बनाना आसान नहीं- इजराइली सेना के हटने के बाद गाजा की सुरक्षा अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा बल और नई फिलिस्तीनी पुलिस संभालेगी।

कई स्टेप्स में लागू होगा समझौता

ट्रम्प के मुताबिक समझौता कई चरणों में लागू होगा। जैसे-जैसे हमास अपने हथियार छोड़ेगा, वैसे-वैसे इजराइली सेना गाजा से हटेगी। इसके बाद एक इंटरनेशनल स्टेबलाइजेशन फोर्स और नई फिलिस्तीनी पुलिस गाजा की सुरक्षा संभालेंगे। द टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, हमास के हथियार छोड़ने की मंजूरी के बाद अब 14 दिन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। इसके तहत समझौते के हर चरण को लागू करने की टाइमलाइन तय की जाएगी।

दावा- ईरान ने हमास को प्रस्ताव न मानने को कहा

एक सीनियर अमेरिकी अधिकारी ने दावा किया है कि ईरान चाहता था कि हमास यह समझौता न करे। हालांकि, अब ईरान पहले की तरह हमास की मदद करने की स्थिति में नहीं है। इसलिए हमास ने अपने और गाजा के लोगों के हित को देखते हुए फैसला लिया। द टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड (IRGC) के अधिकारियों ने पूर्व सुप्रीम लीडर अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में पहुंचे हमास डेलिगेशन से जल्दबाजी में प्रस्ताव स्वीकार नहीं करने को कहा था। हालांकि, आखिरकार हमास ने यह प्रस्ताव मान लिया।

ट्रम्प ने पहली बार सितंबर 2025 में गाजा युद्ध खत्म करने की योजना पेश करते हुए इस बोर्ड का प्रस्ताव रखा था। रॉयटर्स के मुताबिक, अमेरिका ने करीब 60 देशों को इस बोर्ड में शामिल होने का न्योता भेजा था।

इस बोर्ड की भूमिका सिर्फ गाजा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह वैश्विक स्तर पर संघर्षों को सुलझाने का भी काम करेगा।

बोर्ड ऑफ पीस चार्टर के मुताबिक, जो देश तीन साल से ज्यादा समय तक इस बोर्ड का सदस्य बनना चाहते हैं, उन्हें 1 अरब डॉलर का योगदान देना होगा।

पीएम मोदी के एआई मॉर्फ्ड वीडियो को लेकर एक्शन

मेटा इंडिया हेड समेत कई लोगों पर एफआईआर

हैदराबाद/नोएडा, एजेंसी

हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने मेटा इंडिया के हेड अरुण श्रीनिवास समेत कई सोशल मीडिया अकाउंट हैंडलर्स के खिलाफ FIR दर्ज की है। मामला पीएम मोदी के AI मॉर्फ्ड वीडियो से जुड़ा है, जिसे जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान शेयर किया गया था। पुलिस ने भाजपा कार्यकर्ताओं की शिकायत पर दो अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं। श्रीनिवास को दोनों मामलों में सह-आरोपी बनाया गया है। सोशल मीडिया अकाउंट्स से वीडियो शेयर करने वालों को भी आरोपी बनाया गया है। पुलिस AI मॉर्फ्ड वीडियो बनाने वाले, सबसे पहले अपलोड करने और वायरल करने वालों की जांच कर रही है। साथ ही फेसबुक और इंस्टाग्राम पर फर्जी कंटेंट रोकने वाले मेटा के सिस्टम और सुरक्षा उपायों की भी जांच की जा रही है। अधिकारियों का

कहना है कि यह देखा जा रहा है कि क्या प्लेटफॉर्म का कंटेंट मॉडरेशन सिस्टम ऐसे वीडियो समय रहते रोकने में सक्षम था या नहीं। जांच एजेंसियां इस पूरे नेटवर्क और वीडियो के सोर्स की पड़ताल कर रही हैं। जांच अधिकारी ने बताया कि शिकायतों में बताए गए आपत्तिजनक लिंक के संबंध में मेटा को नोटिस भेजा गया है। पुलिस आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए जरूरी जानकारी जुटा रही है। FIR से पहले मेटा के अधिकारियों को समन भेजकर AI जनरेटेड स्कैम, फर्जी विज्ञापनों और मॉर्फ्ड कंटेंट की पहचान तथा उसे हटाने की व्यवस्था पर जवाब मांगा गया था।

ऐलान : 50 देशों को न्योता भेजा, जहाजों को हूती विद्रोहियों के हमलों से बचाना मकसद

रेड सी की सुरक्षा के लिए गठबंधन बना रहा सऊदी

रियाद, एजेंसी

सऊदी अरब ने ऐलान किया है कि वह रेड सी (लाल सागर) में जहाजों की सुरक्षा के लिए एक अंतरराष्ट्रीय गठबंधन बनाएगा। इसका मकसद यमन के हूती विद्रोहियों के हमलों से जहाजों की रक्षा करना है।

रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, इस गठबंधन में शामिल होने के लिए 50 देशों को न्योता भेजा गया है। हालांकि, कौन से देश इसमें शामिल होंगे यह अभी तय नहीं हुआ है। इसकी औपचारिक घोषणा जल्द की जा सकती है।

हूती विद्रोहियों ने 20 जुलाई को सऊदी अरब के खिलाफ समुद्री

नाकेबंदी का ऐलान किया था। उसने कहा कि सऊदी पोर्ट का इस्तेमाल करने वाले जहाजों पर हमला किया जा सकता है।

हूती अक्सर ड्रोन, मिसाइल और विस्फोटकों से भरी नावों से हमला करते हैं। युद्धपोतों पर लगे एयर डिफेंस सिस्टम और रडार इन हमलों का पहले ही पता लगाकर उन्हें मार गिराने की कोशिश करेंगे। समुद्र के ऊपर ड्रोन, गश्ती विमान और निगरानी वाले विमान लगातार उड़ान भरेंगे। इससे हूती के लॉन्चिंग पॉइंट और संदिग्ध गतिविधियों का जल्दी पता चल सकेगा। गठबंधन में शामिल देश रडार, सैटेलाइट और खुफिया एजेंसियों से मिली जानकारी एक-दूसरे के साथ साझा करेंगे।

हूती विद्रोहियों 22 जुलाई की रात ने सऊदी तेल टैंकरों इनसेलिया और लायला पर हमला किया था, जिसके बाद उसमें आग लग गई थी।

गठबंधन में कौन हो सकता है शामिल?

मिडिल ईस्ट की न्यूज वेबसाइट अल-मॉनिटर के मुताबिक अमेरिका, पाकिस्तान, मिस्र, तुर्किये, जिबूती, सोमालिया और सूडान को न्योता भेजा गया है। इसके अलावा जर्मनी, फ्रांस और इटली समेत कई यूरोपीय देशों को भी निमंत्रण मिला है।

इस रिपोर्ट में अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया है कि मिस्र, जिबूती और सूडान गठबंधन में शामिल होने पर सहमत हो गए हैं। हालांकि, अमेरिका अभी तक आधिकारिक तौर पर गठबंधन में शामिल होने की पुष्टि नहीं कर पाया है, लेकिन उसके इसमें शामिल होने की संभावना जताई जा रही है।

एक्सपर्ट के मुताबिक गठबंधन में शामिल देश अपने नौसैनिक युद्धपोत रेड सी और बाब अल-मंदेब स्ट्रेट में तैनात करेंगे। ये जहाज आसपास गश्त करेंगे और व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा करेंगे। तेल टैंकर और मालवाहक जहाजों को अकेले भेजने के बजाय काफिले में भेजा जाएगा। उनके साथ वॉरशिप चलेंगे, जिससे हमला होने पर तुरंत जवाब दिय जा सके।

सऊदी अरब लाल सागर की सुरक्षा के लिए बनाएगा अंतरराष्ट्रीय गठबंधन

हूती के हमलों से बचाव के लिए 50 देशों को न्योता

रियाद, एजेंसी

सऊदी अरब ने एलान किया है कि वह लाल सागर यानी रेड सी में जहाजों की सुरक्षा के लिए एक अंतरराष्ट्रीय गठबंधन बनाएगा। इसका मकसद यमन में हूती विद्रोहियों के हमलों से व्यापारिक जहाजों को बचाना है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस गठबंधन में शामिल होने के लिए 50 देशों को न्योता भेजा गया है। अभी यह तय नहीं है कि कौन-कौन से देश इसमें शामिल होंगे। इसकी औपचारिक घोषणा जल्द हो सकती है। एक न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका, पाकिस्तान, मिस्र, तुर्किये, जिबूती, सोमालिया, सूडान के अलावा जर्मनी, फ्रांस और इटली समेत कई यूरोपीय देशों को भी बुलावा गया है। कहा जा रहा है कि मिस्र, जिबूती और सूडान गठबंधन में शामिल होने के लिए राजी हो गए हैं। अमेरिका ने अब तक आधिकारिक पुष्टि नहीं की है,

लेकिन उसके शामिल होने की संभावना है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, गठबंधन में शामिल देश अपने युद्धपोत रेड सी और बाब अल-मंदेब स्ट्रेट में तैनात करेंगे। ये जहाज गश्त करेंगे और व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा करेंगे। तेल टैंक और मालवाहक जहाज अकेले नहीं भेजे जाएंगे। उन्हें काफिले में भेजा जाएगा और साथ में वॉरशिप चलेंगे। युद्धपोतों पर लगे एयर डिफेंस और रडार ड्रोन और मिसाइल हमलों को पहले ही मार गिराने की कोशिश करेंगे।ड्रोन और गश्ती विमान लगातार उड़ान भरेंगे ताकि हूती के लॉन्चिंग पॉइंट का पता चल सके।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676